सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 229, नई दिल्ली । सोमवार, 28 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

हिसाब किताब सिर्फ ऊपर वाले ने ही सही लगाया, सबको खाली हाथ भेजा और खाली हाथ बुलाया...

03 पूरी दिल्ली से झुग्गियां उजाड़ रही भाजपा - मनीष सिसोदिया

06 करियर में सफलता की नींव है इंटर्नशिप

08 महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव से पहले EVM की अग्नि परीक्षा

दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल सभी वाहन मालिक और चालक क्यों हैं परेशान?

संजय बाटला

नई दिल्ली। दिल्ली भारत देश की राजधानी में आज की तारीख़ में सभी व्यवसायिक श्रेणी के वाहन मालिक और चालक है परेशान आखिर क्यों और कौन है जिम्मेदार,

दिल्ली के व्यवसायिक वाहन मालिकों और चालकों की परेशानियों को क्यों कोई भी समझना और सुलझाना नहीं चाहता?

क्या न्यायिक प्रणाली, भारत सरकार और दिल्ली सरकार की नजर में दिल्ली में व्यवसायिक वाहन सेवा की अब जरूरत नहीं है जो सभी व्यवसायिक श्रेणियों के द्वारा विरोध के बावजूद कोई भी उनको आ रही समस्याओं का हल निकालने को तैयार नहीं उल्टा दिन प्रतिदिन उनके लिए एक और समस्या उत्पन्न करवाते जा रहे हैं।

क्या दिल्ली के उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और दिल्ली सरकार एकजुट होकर दिल्ली के व्यवसायिक गतिविधियों में शामिल वाहन मालिकों और चालकों का शोषण कर राजस्व इजाफा करने में सलिप्त है और उनको भारत सरकार और न्यायिक प्रणाली का भी समर्थन प्राप्त है।

*किसी भी व्यवसायिक श्रेणी के वाहन को सड़कों पर चलने से पहले वाहन जांच प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती है और दिल्ली परिवहन विभाग के आला अधिकारी के द्वारा एक प्राईवेट कम्पनी को निजी फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उस के द्वारा वाहन जांच की क्षमता से कई गुणा वाहनों को अपनी निजी सरकारी वाहन शाखा से परिवर्तित कर वहां पर जाकर वाहनों को जांच के आदेश जारी कर दिए जिससे वाहनों के जांच प्रमाण पत्र प्राप्त होने में देरी होने लगी और वाहन प्रमाण पत्र नहीं होने पर उनकी रोजी रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई।

इतना ही नहीं उस प्राईवेट कम्पनी को निजी फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से उन वाहनों को भी वहां जांच के लिए जाने के आदेश जारी कर दिए जिनकी उसके द्वारा लगी ऑटोमेटिक वाहन जांच मशीन पर जांच की आवश्यकता भी नहीं और जांच भी सम्भव नहीं।

दिल्ली में प्रदूषण के नाम से आल इंडिया परमिट पर डीज़ल चालित हल्के सवारी वाहनों को बन्द करने के आदेश जारी कर देना और दूसरे राज्यों में पंजीकृत इसी श्रेणी के वाहनों को दिल्ली की सड़कों पर खुले आम चलने देना।

दिल्ली में अपने निजी लालच के तहत दिल्ली में बिक्री के लिए उपलब्ध इलेक्ट्रिक वाहनों को बिना किसी न्यायिक कारण के पंजीकृत नहीं होने देना

सड़क परिवहन एवम्राजमार्ग मंत्रालय से महिला सुरक्षा के लिए वाहनों में लगने वाले पैनिक बटन की शाखा के लिए पैसा लेने के बाद भी उसे जान बूझकर अलग अलग बहाने से शूरु नही कर वाहनो की फिटनेस, परमिट नवीकरण और पंजीकरण रुकवाने के आदेश सिर्फ़ वीएलटीडी संयंत्र के डीलरो को फायदा पहुंचाने के उद्देश्य से करना

इस तरह की अनगिनत परेशानियों को सिर्फ़ निजी एवम्प्राईवेट कम्पनियों को फायदे के साथ राजस्व में इजाफा करवाने के उद्देश्य से परिवहन विभाग के आला अधिकारी द्वारा आदेश जारी हो रहे है और इस कारण दिल्ली में व्यवसायिक गतिविधि में शामिल सभी वाहन मालिक और चालक है परेशान।

क्या दिल्ली में अगर व्यवसायिक वाहन मालिकों और चालकों ने एकजुट होकर मात्र 2 दिन के लिए भी वाहन खड़े कर लिए तो प्रदूषण नियंत्रण में आ जाएगा?

*क्या दिल्ली में अगर व्यवसायिक वाहन मालिकों और चालकों ने एकजुट होकर मात्र 2 दिन के लिए भी वाहन खड़े कर लिए तो दिल्ली में दिल्ली सरकार और परिवहन विभाग दिल्ली की जनता को वाहन सेवा उपलब्ध कराने में सक्षम होंगे?

*दिल्ली के उपराज्यपाल को तत्काल प्रभाव से परिवहन विभाग के आला अधिकारी द्वारा इस प्रकार के आदेशित/निर्देशित सभी आदेशों पर रोक और जांच के लिए जनहित में आदेश जारी करने चाहिए।

हम बाल-बाल बचे मरने से... डीटीसी की बस में अचानक लगी आग, डरा रहा घटना का वीडियो

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली के दिल्ली कैंट क्षेत्र में डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में आग लग गई। ड्राइवर ने बस रोककर सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में एक बच्चा और युवक मामूली रूप से घायल हुए हैं। मामले की जांच चल रही है, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

नई दिल्ली: साउथ वेस्ट दिल्ली के दिल्ली कैंट इलाके में आज शाम डीटीसी की इलेक्ट्रिक बस में आग लगने का मामला सामने आया है। बस के ड्राइवर ने पीसीआर कंट्रोल रूम को कॉल करके कहा कि बस में आग लग गई है। आग की चपेट में एक बच्चा और एक युवक फंस गया था, जिन्हें थोड़ी चोट लगी है। दोनों को प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया है।

इस मामले की पुष्टि करते हुए डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस टीम पहुंची। पता चला कि उस बस में 10 से 15 यात्री सवार थे। शाम 5:15 बजे के आसपास जब बस रिंग रोड पर पहुंची तो मेट्रो पिलर नंबर 22 के पास अचानक बस के पिछले हिस्से से धुएं के साथ बदबू आने लगी थी।

ड्राइवर ने सूझबूझ से लिया काम

ड्राइवर ने तुरंत बस को रोका, सभी यात्रियों को जल्दी से बस से निकला। लेकिन इसमें दो लोगों को मामूली चोट लगी। ड्राइवर ने बस में मौजूद आग बुझाने वाले उपकरण से तुरंत आग पर काबू पाया। मौके पर क्राइम टीम और एफएसएल की टीम को जांच के लिए बुलाया गया, आगे की छानबीन की जा रही है। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में देखा जा सकता है कि बस से धुआं कितना ज्यादा निकल रहा है। हालांकि ड्राइवर की सूझबूझ से बड़ा हादसा होने से टल गया है। आग लगने के कारणो का अभी पचा नहीं चल पाया। जांच के बाद ही इसकी पूरी जानकारी सामने आएगी। उधर इस हादसे के बाद बस में सवार यात्री काफी घबरा गए थे।

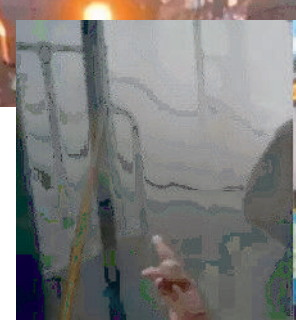

मुंबई के बांद्रा टर्मिनल पर भगदड़ मचने से हरकत में रेलवे, दिल्ली के सभी स्टेशनों पर सख्त की गई सुरक्षा-व्यवस्था

दीवाली और छठ के अवसर पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। मुंबई में हुई भगदड़ के बाद सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्टेशन परिसर में पुलिस बल तैनात है और यात्रियों की जांच की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं। आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ अधिक है।

नई दिल्ली। दीवाली और छठ के अवसर पर अपने घर जाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। मुंबई के बांद्रा टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर रविवार तड़के मची भगदड़ में नौ लोगों के घायल होने के घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा में तैनात नई दिल्ली और आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मी सुस्त दिखे। निजामुद्दीन स्टेशन पर ज्यादा भीड़ नहीं होने से स्थिति समान्य है।

रेलवे के अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन दिल्ली का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है, जिसमें इन दिनों दीवाली और छठ के लिए घर जाने वाले भारी संख्या में यात्री पहुंच रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर पुलिस ने पूरे इंतजाम किए हुए हैं।

पुलिस बल को परिसर में तैनात किया गया

यहां पुलिसकर्मी यात्रियों के स्टेशन परिसर में प्रवेश से पहले जांच करते मिले और उनके सामान की भी जांच की जा रही थी। इसके अलावा स्टेशन परिसर में बैरिकेडिंग कर यात्रियों को एक लाइन में चलने के निर्देश दिए जा रहे थे। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए आरडीएफ की टीम और भारी संख्या में पुलिस बल को परिसर में तैनात किया गया है।

यात्री अजमेरी गेट नंबर 12 से ही प्रवेश करेंगे

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फुट ओवर ब्रिज से प्लेटफार्म नंबर 16 के लिए प्रवेश बंद किया गया है और प्लेटफार्म 16 के लिए आरक्षित यात्री केवल अजमेरी गेट साइड सर्कुलेटिंग एरिया से गेट नंबर 7 और 10 से प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा जनरल टिकट वाले अनारक्षित यात्री केवल अजमेरी गेट की ओर से गेट नंबर 12 से ही प्रवेश कर सकेंगे।

सुरक्षा में तैनात पुलिकर्मियों की संख्या कम

वहीं डीएमआरसी मेट्रो स्काईवॉक से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज दो तक सीधा प्रवेश अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसके अलावा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा में तैनात पुलिकर्मियों की संख्या कम देखने को मिली और यहां सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम देखने को नहीं मिले।

परिसर में टेंट लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बना

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ अधिक है। यहां रेलवे ने परिसर में टेंट लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया है। साधारण टिकट के आठ और आरक्षित टिकट के लिए एक अतिरिक्त काउंटर बनाया गया है। सुरक्षा के लिए 48 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। रेलवे प्लेटफार्म पर जाने वालों और उनके सामान की जांच की जा रही है।

गेट पर आरपीएफ जवान तैनात रखे गए

प्लेटफॉर्म पर आरपीएफकर्मी रस्सी लगाकर खड़े हो रहे हैं, यात्रियों को उसके पीछे खड़ा करते हैं। ट्रेन के पूरी तरह रुकने पर रस्सी को हटाया जाता है। भगदड़ न मचे, उसके लिए हर बोगी के गेट पर आरपीएफ जवान तैनात रखे गए हैं। ट्रेनों में भी चेकिंग की जा रही है। शक होने पर यात्री का सामान खुलवा कर देखा जा रहा है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

मुंबई के बांद्रा टर्मिनल पर भगदड़ मचने से हरकत में रेलवे, दिल्ली के सभी स्टेशनों पर सख्त की गई सुरक्षा-व्यवस्था

दीवाली और छठ के अवसर पर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ उमड़ रही है। मुंबई में हुई भगदड़ के बाद सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। स्टेशन परिसर में पुलिस बल तैनात है और यात्रियों की जांच की जा रही है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कुछ प्रवेश द्वार बंद कर दिए गए हैं। आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ अधिक है।

नई दिल्ली। दीवाली और छठ के अवसर पर अपने घर जाने के लिए रेलवे स्टेशनों पर लोगों की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई है। मुंबई के बांद्रा टर्मिनल रेलवे स्टेशन पर रविवार तड़के मची भगदड़ में नौ लोगों के घायल होने के घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा में तैनात नई दिल्ली और आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पुलिसकर्मी सुस्त दिखे। निजामुद्दीन स्टेशन पर ज्यादा भीड़ नहीं होने से स्थिति समान्य है।

रेलवे के अधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली रेलवे स्टेशन दिल्ली का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन है, जिसमें इन दिनों दीवाली और छठ के लिए घर जाने वाले भारी संख्या में यात्री पहुंच रहे हैं। यात्रियों की सुरक्षा के लिए स्टेशन पर पुलिस ने पूरे इंतजाम किए हुए हैं।

पुलिस बल को परिसर में तैनात किया गया

यहां पुलिसकर्मी यात्रियों के स्टेशन परिसर में प्रवेश से पहले जांच करते मिले और उनके सामान की भी जांच की जा रही थी। इसके अलावा स्टेशन परिसर में बैरिकेडिंग कर यात्रियों को एक लाइन में चलने के निर्देश दिए जा रहे थे। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए आरडीएफ की टीम और भारी संख्या में पुलिस बल को परिसर में तैनात किया गया है।

यात्री अजमेरी गेट नंबर 12 से ही प्रवेश करेंगे

भीड़ को नियंत्रित करने के लिए फुट ओवर ब्रिज से प्लेटफार्म नंबर 16 के लिए प्रवेश बंद किया गया है और प्लेटफार्म 16 के लिए आरक्षित यात्री केवल अजमेरी गेट साइड सर्कुलेटिंग एरिया से गेट नंबर 7 और 10 से प्रवेश कर सकेंगे। इसके अलावा जनरल टिकट वाले अनारक्षित यात्री केवल अजमेरी गेट की ओर से गेट नंबर 12 से ही प्रवेश कर सकेंगे।

सुरक्षा में तैनात पुलिकर्मियों की संख्या कम

वहीं डीएमआरसी मेट्रो स्काईवॉक से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर फुट ओवर ब्रिज दो तक सीधा प्रवेश अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है। इसके अलावा पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा में तैनात पुलिकर्मियों की संख्या कम देखने को मिली और यहां सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम देखने को नहीं मिले।

परिसर में टेंट लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बना

आनंद विहार रेलवे स्टेशन पर भीड़ अधिक है। यहां रेलवे ने परिसर में टेंट लगाकर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाया है। साधारण टिकट के आठ और आरक्षित टिकट के लिए एक अतिरिक्त काउंटर बनाया गया है। सुरक्षा के लिए 48 अतिरिक्त कैमरे लगाए गए हैं। रेलवे प्लेटफार्म पर जाने वालों और उनके सामान की जांच की जा रही है। शक होने पर यात्री का सामान खुलवा कर देखा जा रहा है।

गेट पर आरपीएफ जवान तैनात रखे गए

प्लेटफॉर्म पर आरपीएफकर्मी रस्सी लगाकर खड़े हो रहे हैं, यात्रियों को उसके पीछे खड़ा करते हैं। ट्रेन के पूरी तरह रुकने पर रस्सी को हटाया जाता है। भगदड़ न मचे, उसके लिए हर बोगी के गेट पर आरपीएफ जवान तैनात रखे गए हैं। ट्रेनों में भी चेकिंग की जा रही है। शक होने पर यात्री का सामान खुलवा कर देखा जा रहा है।

लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय भूलकर भी ना करें ये गलतियां, जानें किस तरह से लगाएं

लड़कियां लिक्विड लिपस्टिक लगाते समय अक्सर गलतियां कर देती हैं। गलत तरीके लिपस्टिक लगाने से यह स्टिकी लगती है बल्कि सही शेड भी नहीं दिखता। यदि आप भी लिक्विड मैट लिपस्टिक लगाते हैं तो इन 4 गलतियों को कभी भी ना दोहराएं। आइए जानते हैं लिक्विड मैट लिपस्टिक कैसे लगाएं।

आजकल लिक्विड मैट लिपस्टिक काफी ट्रेंड में हैं और लगभग हर कंपनी की मैट लिपस्टिक आपको आसानी से मार्केट और ऑनलाइन मिल जाएगी। लेकिन इसे लगाने का सही तरीका आपको पता होना चाहिए। कई बार तो लिक्विड मैट लिपस्टिक खरीदने के दौरान मनचाहा कलर और शेड नहीं मिलता। यदि आप भी लिक्विड मैट लिपस्टिक लगाते हैं तो इन 4 गलतियों को कभी भी ना दोहराएं। आइए जानते हैं लिक्विड मैट लिपस्टिक कैसे लगाएं।

सीधा होठों पर ना लगाएं लिक्विड लिपस्टिक

जब आप लिक्विड लिपस्टिक लगाते हैं तो पहले होठों को प्रिपेयर करना जरुरी होता है। चाहे लिपस्टिक लिक्विड रहती है लेकिन ड्राई होठों पर लगाने से लिपस्टिक की स्मूद फिनिश नहीं आती है। इसलिए लिपस्टिक लगाने से पहले होठों पर लिप बम को जरुर लगाएं और इसे अच्छे से सॉफ्ट बना लें। फिर लगाएं।

ब्रश को करें साफ

लिपस्टिक लगाते समय में जब भी ब्रश को निकालें तो शीशी के किनारों पर लिपस्टिक को अच्छी तरह से पोंछ दें। क्योंकि ब्रश पर अधिक लिपस्टिक होती है इसे आप डायरेक्ट होठों पर लगाने से ज्यादा लग जाएगी। इसलिए ब्रश से अतिरिक्त लिपस्टिक हटा दें। इसके बाद होठों पर अप्लाई करें।

होठों की लिपस्टिक मिक्स ना करें

अक्सर जब हम लिपस्टिक लगाते हैं तो दोनों होठों की लिपस्टिक को मिक्स कर देते हैं। ऐसा करने से एक लाइन सी क्रिएट होती है और स्मूद लुक नहीं आता। इसलिए दोनों होठों पर इक्वली लगाएं और मिक्स ना करें।

दूसरा कोट अप्लाई करने से पहले इंतजार करें

ध्यान रखें कि लिक्विड लिपस्टिक के एक कोट लगाने के बाद ड्राई होने का इंतजार करें। फिर आप दूसरा कोट को अप्लाई करें। इससे परफेक्ट फिनिश मिलती है बल्कि लिपस्टिक का सही शेड भी आता है। जब आप लिक्विड लिपस्टिक लगाएं तो इन गलतियों को बिल्कुल ना करें।

फिटकरी से चमक जाएगा आपका घर, बस अपनाएं ये हैक्स

फर्श की सफाई करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल करना यकीनन एक बेहतर तरीका है। फिटकरी के इस्तेमाल से ना केवल फर्श की क्लीनिंग होती है, बल्कि इससे कीटाणु भी दूर रहते हैं। इसके लिए एक बाल्टी गर्म पानी में एक चम्मच फिटकरी पाउडर डालें और इससे फर्श पर पोंछा लगाएं।

घर की सफाई के लिए हम सभी मार्केट में मिलने वाले तरह-तरह के महंगे केमिकल बेस्ड क्लीनर पर भरोसा करते हैं। जबकि अगर आप चाहें तो नेचुरल और बजट फ्रेंडली तरीके से भी अपना घर चमका सकते हैं। इसमें फिटकरी आपके बेहद काम आ सकती है। यह ना केवल घर से आने वाली अजीब सी महक को दूर करती है, बल्कि इसकी एंटी-बैक्टीरियल व एंटी-मोल्ड प्रोपर्टीज आपके घर की बेहतरीन सफाई करती है। भले ही आपके बाथरूम में मोल्ड हो या फिर अलमारियों से अजीब सी महक आ रही हो, फिटकरी की मदद से आप अपने घर की क्लीनिंग से जुड़ी हर समस्या को आसानी से दूर कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको फिटकरी से जुड़े कुछ ऐसे ही क्लीनिंग हैक्स के बारे में बता रहे हैं, जो यकीनन आपके बेहद काम आएंगे-

फर्श की करें सफाई

फर्श की सफाई करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल करना यकीनन एक बेहतर तरीका है। फिटकरी के इस्तेमाल से ना केवल फर्श की क्लीनिंग होती है, बल्कि इससे कीटाणु भी दूर रहते हैं। इसके लिए एक बाल्टी गर्म पानी में एक चम्मच फिटकरी पाउडर डालें और इससे फर्श पर पोंछा लगाएं।

पालतू जानवरों की बदबू करें दूर

अगर आपके घर में पालतू जानवर है तो आपको अक्सर बिस्तर से लेकर फर्नीचर व अन्य कई जगहों पर बैड स्मेल महसूस होती होगी। इस बदबू को दूर करने के लिए फिटकरी का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप उस जगह पर थोड़ी मात्रा में पाउडर फिटकरी छिड़कें। यह प्राकृतिक रूप से गंध को सोख लेता है, जिससे आपका घर ताज़ा रहता है। बस इसे पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखने का ध्यान रखें, क्योंकि फिटकरी को निगला नहीं जाना चाहिए।

किन सिंक की नालियों को करें साफ

किचन सिंक से अक्सर बदबू आती ही है। इस बदबू से निपटने के लिए, एक कप गर्म पानी में एक चम्मच फिटकरी घोलें और इसे नाली में डालें। यह बदबूदार अवशेषों को हटाने में मदद करता है और बैक्टीरिया के निर्माण को रोकता है, जिससे सिंक एरिया में फ्रेशनेस बनी रहती है।

जूतों की बदबू करें दूर

क्या आपके जूतों से बदबू आती है? तो उसे दूर करने में फिटकरी आपकी मदद कर सकती है। बस अपने जूतों में एक चुटकी पिसी हुई फिटकरी डालें, इसे रात भर के लिए छोड़ दें और फिर सुबह ब्रश से साफ करें। फिटकरी बदबू को बेअसर कर देगी, जिससे आपके जूतों से ताज़ी खुशबू आएगी।

सुबह-सुबह शॉर्ट वॉक करने से शरीर को मिलते हैं अनगिनत फायदे, दिल को रखता है स्वस्थ

अगर आपके पास योग और एक्सरसाइज करने के लिए समय नहीं है तो आप रोजाना सैर करना भी काफी फायदेमंद होता है। चाहे आप पार्क में घूमने या अपने पड़ोस में टहलने में सहज हों, यह कम प्रभाव वाला व्यायाम वजन को नियंत्रित करने, तनाव के स्तर को कम करने और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है।

व्यायाम के सबसे आसान और शरीर को स्वस्थ रखने के लिए बेहतर है। पैदल चलना आपके शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य दोनों के लिए कई फायदे हैं। जिम करने वाले व्यायामों की तुलना में, पैदल चलना किसी भी समय, कहीं भी और किसी भी व्यक्ति द्वारा किया जा सकता है, चाहे उसकी उम्र या फिटनेस क्षमता कुछ भी हो। चाहे आप पार्क में घूमने या अपने पड़ोस में टहलने में सहज हों, यह कम प्रभाव वाला व्यायाम वजन को नियंत्रित करने, तनाव के स्तर को कम करने और हृदय स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद करता है। इस लेख में हम आपको पैदल चलने के फायदों और छोटी लगातार सैर की बढ़ती लोकप्रियता के बारे में बात करेंगे।

रोजाना आपको कितना चलना चाहिए?

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना कम से कम आधे घंटे तक जितना हो सके तेज़ चलने की कोशिश करें। प्रत्येक दिन चलने में बिताया जाने वाला अधिकतम समय जीवनशैली की परिस्थितियों, फिटनेस स्तर और व्यक्तिगत स्वास्थ्य उद्देश्यों के अनुसार भिन्न होता है। समग्र स्वास्थ्य लाभ के लिए सप्ताह के अधिकांश दिनों में कम से कम 30 मिनट की मध्यम तीव्रता की सैर का लक्ष्य रखने की सलाह दी जाती है।

पैदल चलने के फायदे

-हृदय और फेफड़ों की बेहतर फिटनेस (कार्डियोपल्मोनरी)

-स्ट्रोक और हृदय रोग की संभावना कम हो जाती है, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रॉल और जोड़ों और मांसपेशियों में असुविधा या कठोरता जैसी बीमारियों पर बेहतर नियंत्रण होता है।

-बेहतर संतुलन और मजबूत हड्डियां

- मांसपेशियों की सहनशक्ति और शक्ति में सुधार शरीर की चर्बी कम होना।

शॉर्ट वॉकिंग मुकाबले क्या हैं?

वॉकिंग मुकाबलों में चलने में बिताया गया कम समय शामिल है। स्थिर, अवस्था में चलने के विपरीत, जिसमें एक स्थिर गति से लंबे समय तक चलना शामिल होता है, वे अक्सर कुछ मिनट या उससे कम समय तक चलते हैं। लोग और जानवर दोनों ही इन संक्षिप्त चलने की घटनाओं में अनायास और बार-बार शामिल होते हैं क्योंकि वे अक्सर रुकते हैं, शुरू करते हैं और दिशा बदलते हैं। इन्हें कार्यालय में घूमते समय, एक कमरे से दूसरे कमरे में जाते समय, या कुछ पाने के लिए कुछ कदम चलते समय देखा जा सकता है।

शॉर्ट वॉकिंग करने के फायदे

अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सबसे सरल और सबसे प्रभावी तरीकों में से एक है पैदल चलना। दिन भर में थोड़ी सी सैर भी लंबी सैर के समान ही सकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। अपने 30 से 60 मिनट की सैर के समय को छोटी, अधिक चलने योग्य सैर में विभाजित करने का प्रयास करें, जैसे भोजन के बाद 10 मिनट की सैर या काम के बीच में थोड़ी सैर। लंबी, औपचारिक सैर की आवश्यकता के बिना, यह रक्त प्रवाह का समर्थन करता है, शरीर की कोमलता बनाए रखेगा और चयापचय को बढ़ावा देगा। समग्र रूप से देखने पर, ये गतिविधियां हृदय स्वास्थ्य में सुधार करती हैं और ऊर्जा वृद्धि देती हैं जो समग्र कल्याण को बढ़ावा देती हैं।

दिवाली पर सांस के मरीज इस तरह से रखें अपना ध्यान, वरना हो जाएगा भारी नुकसान

दिवाली के दौरान वातावरण में प्रदूषण बना रहता है। इस समय अपनी सेहत का ध्यान रखना काफी जरुरी होता है। दिवाली का समय सांस की समस्या वाले मरीजों के लिए बेहद मुश्किल भरा होता है। दिवाली के जश्न के साथ ही सांस संबंधी समस्या वालों मरीजों को कैसे ख्याल रखें।

दिवाली का त्योहार इंतजार लोग बड़े ही बेसब्री से करते हैं। इस पर्व के दौरान लोग सेलिब्रेशन मोड में होते हैं। साल के सबसे बड़े पर्व पर हर कोई बड़ी धूम-धाम के साथ मनाता है। वहीं, ये समय सांस के रोगियों के लिए काफी मुश्किल होता है। दिवाली से पहले ही प्रदूषण बढ़ जाता है और दिवाली तक तो वातावरण में जहरीली हवा घुल जाती है। ऐसे में पटाखों को धुआं भी काफी घातक साबित होता है। इस दौरान सांस की समस्या से पीड़ित लोग दिवाली पर इस तरह से रखें ख्याल।

धूल से रहे दूर

दिवाली से पहले ही घर में होनी वाली सफाई से अगर आपको सांस की समस्या है तो इस दौरान धूल से दूर रहें। धूल के कारण होने वाली एनर्जी आसानी से अस्थमा के दौरे को ट्रिगर कर सकता है।

अपनी दवाएं न छोड़ें और अपने इनहेलर्स को साथ में रखें

दिवाली के दौरान सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाती हैं, इससे बचने के लिए आप तैयार रहें। ध्यान रखें कि किसी भी समय अपनी दवाई न छोड़ें। इसके साथ ही अपने इनहेलर्स को भी संभाल कर अपने पास ही रखें।

धुएं से दूर रहें

दिवाली पर पटाखों के बिना जश्न अधूरा माना जाता है। इसका धुंआ समस्या का कारण बन सकता है। इस दिन आप दूसरों को सेलिब्रेशन मनाने से नहीं रोक सकते इसलिए आप खुद को धुएं से बचाएं। आपको बाहर निकलना है तो मास्क पहनकर निकलें।

घर में रहे

जिन लोगों को सांस संबंधी बीमारियां है, वो लोग दिवाली के दिन घर के अंदर ही रहना चाहिए। यदि आप धुएं के संपर्क में आने से खुद को बचा सकें।

खाने की चीजों पर ध्यान दें

दिवाली पर पकवान जायका तो सभी चखते हैं। दिवाली का सेलिब्रेशन में मिठाइयां और तले हुए खाने को ज्यादा बनाया जाता है। ऐसे खाने को ज्यादा न खाएं। इसकी जगह आप फल और सब्जियों के साथ बैलेंस डाइट करें। ये अस्थमा के खतरे को कम करने में मदद करता है।

यदि आपको सांस लेने में दिक्कत होती, तो आप डॉक्टर को जरुर सलाह लें।

माता लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए दिवाली से पहले ही घर से बाहर फेंक दें ये 3 चीजें

दिवाली का त्योहार नजदीक आ चुका है। ऐसे में सभी के घरों में दिवाली की सफाई चल रही है। अगर आपके घर में जंग लगी चीजें हैं तो दिवाली की सफाई के दौरान सबसे पहले उन्हें हटा दें।

रोशनी का त्योहार दिवाली नजदीक आ चुका है। यह त्योहार हर साल कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान गणेश और माता लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लेकिन उससे पहले लोग अपने घरों, दुकानों या संस्थानों की साफ-सफाई करते हैं और कूड़ा-कचरा बाहर फेंक देते हैं, ताकि उनके घर पर मां लक्ष्मी का आगमन हो और उनकी कृपा बनी रहे। साफ-सफाई के दौरान कई बार लोग घर में ऐसी चीजें रख देते हैं, जिन्हें घर से बाहर फेंकना सबसे जरूरी होता है क्योंकि कहा जाता है कि कुछ घरेलू चीजें दरिद्रता लाती हैं। आइए आज जानते हैं कि वो कौन सी चीजें हैं जिन्हें घर से बाहर करना जरूरी है। आइए जानते हैं किन चीजों को घर से फेंक देना चाहिए।

घर में जंग लगी हुई चीजें हटा दें

अगर आपके घर में जंग लगी चीजें हैं तो दिवाली की सफाई के दौरान सबसे पहले उन्हें हटा दें क्योंकि ऐसी चीजें घर में नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करती हैं। ये चीजें भी आपके घर में वास्तु दोष उत्पन्न करती हैं। इन्हें घर में रखने से राहु और केतु दोष उत्पन्न होते हैं, जो आपके मन पर बुरा प्रभाव डालते हैं। इसलिए कहा जाता है कि सबसे पहले अपने घर से जंग लगी चीजों को हटा दें।

घर में न रखें टूटी हुई मूर्तियां

घर में टूटी हुई मूर्तियां रखना शुभ नहीं माना जाता है क्योंकि इन्हें नकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। ऐसा माना जाता है कि अगर घर में खंडित मूर्तियां हैं तो आपके घर में कलह और कलह का माहौल बनता है। इसके अलावा ऐसी मूर्तियां आपके आर्थिक नुकसान का कारण भी बनती हैं। इसलिए ऐसी मूर्तियों को घर से हटाकर किसी साफ तालाब या पवित्र नदी में विसर्जित कर देना चाहिए। इससे दरिद्रता दूर होती है।

खराब बिजली के सामान को बाहर फेंक दें

इसके अलावा अगर आपके घर में बिजली का सामान खराब हो गया है तो उसे अपने घर से बाहर फेंक दें क्योंकि खराब बिजली का सामान शनि दोष का कारण बनता है। जिससे आपके घर का माहौल खराब हो जाता है और आए दिन लड़ाई-झगड़े की स्थिति बनी रहती है। इसलिए ऐसी वस्तुओं को भी दिवाली से पहले घर से बाहर कर देना चाहिए।

बंदा सिंह बहादुर ने मुगलों को चटाई थी धूल, ऐसे रखी थी खालसा राज की नींव

बंदा सिंह बहादुर कम उम्र में संत बनने वाले एक बहादुर योद्धा और काबिल लीडर थे। आज ही के दिन यानी की 27 अक्तूबर को बंदा सिंह बहादुर का जन्म हुआ था। उन्होंने ही खालसा की नींव रखी थी।

भारतीय इतिहास में कई ऐसी बहादुर शख्सियत हुईं, जिन्होंने मुगलों के सामने झुकने के बजाय बहादुरी से उनका सामना किया। आज ही के दिन यानी की 27 अक्तूबर को बंदा सिंह बहादुर का जन्म हुआ था। वह कम उम्र में संत बनने वाले एक बहादुर योद्धा और काबिल लीडर थे। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह से मुलाकात के बाद सैनिक प्रशिक्षण लिया था और बिना हथियार और सेना के 2500 किमी की दूरी तयकर डेढ़ साल के अंदर सरहिंद पर कब्जा कर खालसा की नींव रखी थी। तो आइए जानते हैं इनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर बंदा सिंह बहादुर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म

राजौरी में 27 अक्तूबर 1670 को बंदा सिंह बहादुर का जन्म हुआ था। बता दें बंदा सिंह ने बहुत कम उम्र में ही अपना घर-परिवार छोड़ दिया था और वैराग्य की ओर मुड़ गए थे। उनको माधोदास बैरागी भी कहा गया। भ्रमण करते हुए जब वह महाराष्ट्र के नांदेड़ पहुंचे तो वहां पर वह 10वें सिख गुरु, गुरु गोबिंद सिंह से मिले। तब गुरु गोबिंद सिंह ने उनको वैराग्य त्यागने और पंजाब के लोगों को मुगलों के जुल्मों से छुड़ाने की जिम्मेदारी सौंपी।

इस दौरान गुरु गोबिंद सिंह ने बंदा सिंह को पांच तीर, एक तलवार और 3 साथी के साथ एक फरमान दिया। इस फरमान में लिखा था कि बंदा सिंह मुगलों के जुल्म से लोगों को छुटाकारा दिलाने के लिए सिख समुदाय का नेतृत्व करेंगे। इसके साथ ही उनको पंजाब कूच करने और वजीर खां को मौत की सजा देने के लिए कहा गया।

तेजी से बढ़ा बंदा सिंह का दायरा

जिस बंदा सिंह की सेना में 3 साथी थे, उनका दायरा काफी तेजी से बढ़ा और सेना में 8 हजार सैनिक हो गए। उनकी सेना में 5 हजार घोड़े थे, जिनकी संख्या बढ़कर 19 हजार हो गई। साल 1709 में बंदा सिंह ने सरहिंद के समाना पर हमला बोल दिया। समाना में वजीर खां रहता था, जिसने गुरु गोबिंद सिंह का सिर कलम कर उनके बेटों की हत्याकर दी थी। 1710 में उन्होंने दो दर्जन तोपों के साथ फतह भी हासिल की और बंदा सिंह के भाई फतह सिंह ने वजीर खां को मौत के घाट उतार दिया।

जीत हासिल होने के बाद बंदा सिंह ने गुरुनानक और गुरुनानक की तस्वीर वाली नई मुहर और सिक्के जारी किए। इस बात से नाराज मुगल शासक बहादुर शाह जफर ने बंदा सिंह को पकड़ने का बहुत प्रयास किया, लेकिन उसको सफलता नहीं मिली। वहीं बहादुर शाह की मौत के बाद उनके भतीजे ने सत्ता संभाली और अब्दुल समद खां को बंदा सिंह बहादुर को पकड़ने की जिम्मेदारी सौंपीं। अब्दुल समद ने उस किले को घेर लिया जहां बंदा बहादुर थे और महल के अंदर के राशन-पानी पर रोक लगा दी। ऐसा 8 महीनों तक चलता रहा, जिसकी वजह से बंदा सिंह और उनके साथियों को घोड़ों का मांस खाकर जिंदा रहना पड़ा। अंत में समद खां वह किला भेदने में सफल रहा, जिसमें बंदा सिंह थे।

मृत्यु

बंदा सिंह को गिरफ्तार कर दिल्ली लाया गया, जहां पर उनको तमाम यातनाएं दी गईं। लेकिन इसके बाद भी उन्होंने मुगलों के सामने सिर नहीं झुकाया। वहीं 09 जून 1716 को जल्लाद ने तलवार से बंदा सिंह बहादुर का सिर धड़ से अलग कर दिया।

पूरी दिल्ली से झुग्गियां उजाड़ रही भाजपा - मनीष सिसोदिया

सुषमा रानी

नई दिल्लीआम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने रविवार को गांधीनगर की झुग्गी-बस्तियों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने पंद्रह दिन में सैंकड़ों झग्गियों को तोड़ने के लिए भिजवाए गए नोटिस के पीड़ित परिवार से मुलाकात की और उन्हें भरोसा दिया कि किसी भी हालत में अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी इन झुग्गियों को टूटने नहीं देगी। उन्होंने कहा कि ये लोग 80-90 साल से यहां रह रहे हैं, किसी के घर में शादी है, किसी महिला का पति नहीं है, अब ये कहां जाएंगे? भाजपा वालों में इंसानियत नहीं बची है, लेकिन इन गरीब लोगों की बददुआ लेकर भाजपा बच नहीं सकती है। इन्होंने केजरीवाल जी को जेल में डाला था ताकि वो गरीबों के लिए ना लड़ पाएं, लेकिन वो बाहर आ गए हैं हैं और गरीबों की लड़ाई लड़ेंगे। अरविंद केजरीवाल के रहते एक भी झुग्गी नहीं टूटेगी। अरविंद केजरीवाल इन झुग्गीवालों के साथ खड़े हैं, हम पूरी शिद्दत से इसके खिलाफ लड़ेंगे और इन झुग्गियों को टूटने नहीं देंगे।

दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि 80-90 साल से यहां परिवार रह रहे हैं। लोगों ने अपनी दो-तीन पीढ़ियां यहां बिताई हैं। कई बच्चे कह रहे हैं आपके स्कूलों में पढ़ते हैं, अब हम कैसे पढ़ेंगे। भाजपा ने इन झुग्गीवालों को 15 दिन में यह इलाका खाली करने का नोटिस दिलवाया है। भाजपा यह नहीं सोचती कि ये गरीब लोग 80-90 साल से यहां रह रहे हैं। अब ये लोग कहां जाएंगे? किसी के घर में शादी है। कोई महिला अकेली है, उसके पति की मौत हो गई। भाजपा वालों को शर्म नहीं आती है, इनमें इंसानियत नहीं बची है। लेकिन इस तरह से झुग्गियां उखाड़कर और गरीबों की बददुआ लेकर भाजपा बच नहीं सकती है। जिन लोगों ने नोटिस दिया और जो लोग इसे दिलवा रहे हैं, उनसे लड़ने के लिए अरविंद केजरीवाल इन झुग्गीवालों के साथ खड़े हैं। मैं इनको कहना चाहता हूं कि बिलकुल घबराने की जरूरत नहीं है। भाजपा ने गरीबों को जेल इसलिए भिजवाया था ताकि वे गरीबों के लिए लड़ न सकें। लेकिन भगवान की दुआ और मेहरबानी है कि गरीबों के लिए लड़ने के लिए केजरीवाल जेल से बाहर हैं और आज उनके लिए लड़ रहे हैं। हम पूरी शिद्दत से इसके खिलाफ लड़ेंगे और इन झुग्गियों को टूटने नहीं देंगे, यह केजरीवाल का वादा है।

ग़ाज़ी पुर मंडी में भाई मेहरबान क़ुरैशी के नेतृत्व में संपन्न हुआ दीवाली मिलन

सुषमा रानी

नई दिल्ली। ग़ाज़ी पुर मुर्ग़ मछली मंडी दिल्ली सरकार के चेयरमैन भाई मेहरबान क़ुरैशी की अध्यक्षता में दिपावली मिलन कार्यक्रम का आयोजन मंडी परिसर में किया गया। इस मौक़े पर मंडी समिति के सचिव आनंद शाही, नज़ीर फूड्स के चेयरमैन हाजी आफ़ताब क़ुरैशी, युवा नेता फ़ैसल मेहरबान, हाजी सलाउद्दीन, हाजी चौधरी निज़ाम, फ़ेस ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर मुश्ताक़ अंसारी, मंडी समिति से सुनील मित्तल, ब्रिजेश कुमार, प्रेम कुमार, सरदार एम० पी० सिंह, संदीप सिंह, संजीव कुमार, आप नेता रेखा वशिष्ठ शर्मा, मोहम्मद सलीम, संजय कामवाल, मौहम्मद सुल्तान, कमाल अहमद, चौधरी समीउद्दीन, रज़िया बेग़म, मोहम्मद जावेद व मोहम्मद इमरान आदि गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मंडी समिति के सभी सदस्यों ने मंडी के चेयरमैन भाई मेहरबान कुरेशी का फूल मालाओं व उपहार भेंट कर दीपावली की मुबारकबाद पेश की और भाई मेहरबान ने भी सभी सदस्यों और मेहमानों का इस्तक़बाल किया।

इस मौक़े पर भाई मेहरबान कुरेशी ने कहा कि यही हमारी भारतीय संस्कृति है कि हम सभी धर्मों के मानने वाले एक दूसरे के त्यौहार में शामिल होते हैं। उन्होने कहा कुछ लोग हमारी राष्ट्रीय एकता को नुक़सान पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन इस तरह की ताक़त ज़्यादा दिन तक सक्रिय नहीं रह सकतीं क्योंकि आपसी एकता में ही सबका हित है और एकता में ही देश की तरक़्क़ी है।

ऑफ़िस स्क्वायर ने कोवर्किंग में नई शुरुआत की, श्रद्धा कपूर को ब्रांड एंबेसडर बनाया

सुषमा रानी

भारत की अग्रणी कोवर्किंग और मैनेज्ड वर्कस्पेस समाधान प्रदाता ऑफ़िस स्क्वायर, इंस्टाग्राम पर दूसरी सबसे ज़्यादा फ़ॉलो की जाने वाली भारतीय अभिनेत्री श्रद्धा कपूर को ऑफिस स्क्वायर का ब्रांड एंबेसडर बनाया और इसकी घोषणा की है ।

अपनी उपयुक्त टैगलाइन, ₹फ्यूचर वर्क्स हियर₹ के साथ, ऑफ़िस स्क्वायर ने वर्कस्पेस क्षेत्र में अपने ब्रांड एंबेसडर के रूप में बॉलीवुड सेलिब्रिटी का स्वागत करके नए आयाम स्थापित किए हैं। यह भारत में कोवर्किंग स्पेस को कैसे माना जाता है और कैसे मार्केटिंग की जाती है, इसे फिर से परिभाषित करने के लिए एक क्रांति की शुरुआत हो सकती है।

इस अवसर पर बोलते हुए, ऑफ़िस स्क्वायर की प्रमोटर, सरोज मित्तल ने साझेदारी के लिए उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ₹हमें ऑफ़िस स्क्वायर समुदाय में श्रद्धा कपूर का स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है! एक निपुण अभिनेत्री और प्रभावशाली व्यक्तित्व के रूप में उनकी यात्रा ऑफ़िस स्क्वायर को परिभाषित करने वाली नवाचार की भावना से मेल खाती है।₹ ₹जबकि मशहूर हस्तियों ने पारंपरिक रूप से वाणिज्यिक और ग्लैमरस उद्योगों का समर्थन किया है, हमारा लक्ष्य इस साझेदारी के माध्यम से रूढ़ियों को तोड़ना और सह-कार्य को मुख्यधारा में लाना है। उनके समर्थन से, हमारा लक्ष्य अपने बाजार की पहुँच को गहरा करना है, भारत के उद्यमियों और स्टार्टअप को सशक्त बनाना है क्योंकि हम अपने ब्रांड को इस तेज़ी से विकसित हो रहे कार्यस्थल उद्योग में अग्रणी के रूप में स्थापित करते हैं,₹ सरोज ने कहा, जो एक परोपकारी और मानवतावादी भी हैं।

श्रद्धा कपूर ने साझेदारी के लिए अपना उत्साह साझा करते हुए कहा, ₹मैं भारत के सबसे जीवंत कार्यस्थलों में से एक, ऑफ़िस स्क्वायर का प्रतिनिधित्व करने के लिए रोमांचित और गौरवान्वित हूँ। एक कलाकार के रूप में, यह देखना वास्तव में प्रेरणादायक है कि ऑफ़िस स्क्वायर एक ऐसी जगह के रूप में कैसे उभर कर सामने आता है जहाँ निर्माता और उद्यमी वास्तव में प्रेरित और सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए स्थानों तक पहुँच के साथ फल-फूल सकते हैं।₹ उन्होंने कहा, ₹मुझे उम्मीद है कि मैं अपनी ऊर्जा और जुनून को इस ब्रांड में ला पाऊँगी। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य भारत के महत्वाकांक्षी व्यावसायिक समुदाय के लिए एक नया मानदंड स्थापित करना है।₹

अग्रणी कार्यस्थल प्रदाता सह-कार्य की अवधारणा में क्रांति लाने का वादा करता है। यह कदम, शायद पहली बार, को-वर्किंगस्पेस क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव को दर्शाता है और काम के भविष्य को फिर से परिभाषित करने के लिए ऑफ़िस स्क्वायर की महत्वाकांक्षी दृष्टि को रेखांकित करता है। इस सहयोग के मद्देनजर, ऑफ़िस स्क्वायर भी आक्रामक विस्तार के लिए तैयार है, जिसमें अगले कुछ वर्षों में पूरे भारत में 10 मिलियन वर्ग फीट का प्रभावशाली कार्यस्थल बनाने की योजना है।

बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था में, यह देखना रोमांचक होगा कि श्रद्धा कपूर के साथ ब्रांड का नया चेहरा, ऑफ़िस स्क्वायर कोवर्किंग क्षेत्र में कैसे आगे बढ़ता है। यह सहयोग वास्तव में बाजार में नई ऊर्जा की लहर लाएगा।

आतिशी सरकार प्रदूषण नियंत्रण पर कछुअे की चाल की नीति पर काम कर रही है : देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि राजधानी में प्रदूषण का प्रकोप लोगों को स्वास्थ्य गंभीर रुप से प्रभावित कर रहा है परंतु दिल्ली में सत्ताधारी दल आम आदमी पार्टी और भाजपा दिल्ली वालों की चिंता छोड़ अपने राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिए सत्ता की लड़ाई में व्यस्त है। दीपवाली से पूर्व प्रदूषण का रुप पिछले वर्षों में इतना गंभीर कभी नही हुआ था, इस वर्ष आम आदमी पार्टी के केजरीवाल को जेल से छुड़ाने में पूरे छः महीने व्यस्त रहने के कारण दिल्ली सरकार प्रदूषण नियंत्रण करने की तरफ ध्यान ही नही दे सकी। राजधानी में प्रदूषण खतरनाक 352 एक्यूआई जैसे गंभीर आंकड़ों को छू रहा है।

यादव ने कहा कि आतिशी सरकार की प्रदूषण नियंत्रण पर विफलताओं के कारण दिल्लीवासी आंखों की बीमारी और जहरीली हवा में सांस लेने में हो रही परेशानी के कारण घरों में रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा लागू विंटर एक्शन प्लान और ग्रेप-2 के लागू होने के बावजूद दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण करने में सरकार नाकाम साबित हुई है। मुख्यमंत्री, पर्यावरण मंत्री फोटो शूट करवाकर चले जाते है, प्रदूषण रोकथाम के लिए बस इतना ही कर रही है सरकार। कल पीडब्लूडी विभाग ने सड़क और गड्ढों के टूट और बदहाल हालत का ब्यौरा देकर प्रदूषण में सहायक सड़कों से उड़ रही धूल की भागीदारी को उजागर किया था और मुख्यमंत्री कहती हैं कि पीडब्लूडी की टीमें प्रदूषण रोकने के लिए काम कर रही है, सरकार और विभागों में यह मतदभेद क्यों?

उन्होंने कहा कि प्रदूषण का स्तर बढ़ने में मौसम विभाग की चेतावनी का असर केन्द्र और दिल्ली सरकार पर पड़ने वाला नही है क्योंकि एक बार फिर गैस चैंबर बन रही दिल्ली को केन्द्र और दिल्ली सरकार ने पूरी तरह बेसहारा छोड़ दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 31 अक्टूबर को एक्यूआई 400 के पार पहुँच जाऐगा, परंतु वास्तविकता से दूर गोपाल राय और आतिशी अपने दम पर कुछ करने की बजाय पड़ौसी राज्यों पर आरोप और कृत्रिम बारिश के लिए केन्द्र सरकार के भरोसे बैठे हैं, फिर चाहे जनता को कितना भी नुकसान हो।

उन्होंने कहा कि आतिशी सरकार भी केजरीवाल की तरह दोहरी नीति पर काम कर रही है। प्रदूषण रोकने के लिए घोषणाएं करके बजट तो खर्च हो रहा है लेकिन प्रदूषण कम नही कर पा रही है। स्मॉग टावर, स्मॉग गन, गाड़ियों से पानी छिड़काव, रेड लाईट ऑन, गाड़ी ऑफ जैसी योजनाओं के बावजूद प्रदूषण कम होने की बजाय लगातार बढ़ रहा है, कहीं यह सब दस्तावेजों में तो नही हो रहा और जनता का पैसा फिर एक और भ्रष्टाचार में डूब रहा हो?

सनातन गुरु और ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल में साध्वी प्राची का उदघोष बटोगे तो कटोगे

सुषमा रानी

नई दिल्ली। अक्सर अपने विवादास्पद भाषणों और खुल कर हिंदू हित की प्रखर वक्त साध्वी प्राची ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल में एकबार फिर अपने ललकार भरे स्वर में हिन्दू संप्रदाय को सावधान करते हुए कहा कि बटोगे तो कटोगे तो उस वक्त यहां मौजूद सभी मेहमानों और अतिथियों ने करतल ध्वनि से साध्वी के इस संबोधन का स्वागत किया, प्राची ने कहा राजनेता अब नीचता की राजनीति पर उतर आए है, हिंदुओं को ही आपस में बांट कर कमजोर करने में लगे है जिससे आज जो अल्पसंख्यक है कल को वो हो बहुसंख्यक हो जाए। साथ ही साध्वी ने आवाहन किया हमें अपनी युवा पीढ़ी की फास्ट फूड में धकेलने से रोककर ऑर्गेनिक फूड की और ले जाना होगा डॉक्टर भी कहते है एक एप्पल रोज खाए डॉक्टर के पास नहीं जाना पड़ेगा ,इस अवसर पर साध्वी प्राची ने डॉक्टर बसंत गोयल के ऑर्गेनिक मूवमेंट की जमकर तारीफ करते हुए कहा बसंत गोयल को मेरा साधुवाद और आशीर्वाद कि हर कदम पर उन्हें सफलता मिले

"सनातन गुरु और ऑर्गेनिक एप्पल फेस्टिवल₹ के आयोजक विश्व विख्यात लेखक और ऑर्गेनिक क्रांति के जनक डॉ. बसंत गोयल ने सभी धर्म गुरुओं का स्वागत करने और उनकी चरण वंदना के उपरांत अपने वक्तव्य में कहा इस आयोजन को करने का उनका उद्देश्य भारतीय सांस्कृतिक और विरासत से युवा पीढ़ी की अवगत कराने के साथ साथ आम आदमी की औसत आयु को बढ़ाना भी है, गोयल ने कहा प्राचीनकाल से हमारे ऋषि मुनि हिमालय की चोटियों और घने जंगलों के बीच कंद मूल खाते है प्रभु श्री राम जब 14 साल के लिए बनवास गए तो साथ कोई किचन नहीं था उन्होंने भी वहां मिलने वाले फल आदि लिया , एक सवाल के जवाब में बसंत गोयल ने कहा आज हम ऑर्गेनिक फूड के नाम पर बाजारों में मिलने वाला फल फूड ले रहे है ऑर्गेनिक प्रोडक्ट की पहचान स्टीकर नहीं स्वाद से पहचान कीजिए , बसंत गोयल ने कहा आज युवा पीढ़ी जहरीले फास्ट फूड की और बढ़ रही है हार्ट अटैक आदि बीमारियां लगातार बढ़ती जा रही है, इनसे बचाव का एक ही साधन है ऑर्गेनिक अपनाओ और चिरायु बनो।

इस महाआयोजन में अनेक प्रमुख साधु संतों के बीच विशेष रूप से आचार्य महामंडलेश्वर दूधेश्वर नाथ पीठाधीश्वर,बंगला मुक्ति पीठाधीश्वर श्री आशुतोष बगलामुखी आदि पधारे ।इस महा आयोजन को सफल बनाने में समिति से जुड़े अतुल मुदगिल और कुलदीप सिंह आदि का सहयोग रहा।

'फूलवालों की सैर' ने दिल्ली की सैकड़ों साल पुरानी गंगा-जमुनी तहज़ीब की परंपरा को कायम रखा है-सीएम आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली। भारतीय संस्कृति और एकता के परिचायक 'फूल वालों की सैर' कार्यक्रम का शनिवार देर रात को धूमधाम से समापन समारोह आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री आतिशी ने इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। कार्यक्रम में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया और यहाँ शानदार क़व्वाली का भी आयोजन किया गया।

इस मौक़े पर मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि, फूलवालों की सैर' सिर्फ़ एक उत्सव नहीं है, इसने दिल्ली की सैकड़ों साल पुरानी गंगा-जमुनी तहज़ीब की परंपरा को कायम रखा है। उन्होंने कहा कि, 'फूलवालों की सैर' जैसे उत्सव आज के दौर में इंसानियत का पैग़ाम देते हुए लोगों को साथ लाने का उत्सव है।

सीएम आतिशी ने कहा कि, दिल्ली दिलवालों का शहर है, यहाँ लोग आपस में दीवारें नहीं बनाते बल्कि ₹फूलवालों की सैर₹ जैसे त्यौहार के साथ इंसानियत का पैग़ाम बाँटते है। उन्होंने कहा कि, नफ़रत की राह छोड़कर, इंसान को इंसानियत से जोड़ने वाला ये त्यौहार दिल्ली की एकता और विविधता की असली पहचान है।

सीएम आतिशी ने कहा कि,फूलवालों की सैर ने दिल्ली की सैकड़ों साल पुरानी परंपरा को जिंदा रखा है। उन्होंने बचपन के अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि, "मैं दिल्ली में पली-बढ़ी। मेरे पेरेंट्स दिल्ली यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे, हम दिल्ली यूनिवर्सिटी कैंपस में रहते थे। वहाँ सभी मिल जुलकर त्यौहार मनाते थे तो बचपन में काफ़ी समय तक ये पता ही नहीं चला कि कौन-सा त्यौहार किस धर्म का है। वहाँ पर हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई सभी के त्यौहार मनाए जाते थे। पंजाबी, गुजराती, मराठी, मलयाली, तमिल सभी के त्यौहार मनाए जाते थे।"

सीएम आतिशी ने कहा कि, ₹दिल्ली की यही सबसे बड़ी खासियत और खूबसूरती है कि, दिल्ली के लोग दिलवालें होते है और आपस में दीवारें नहीं बनाते है। उन्होंने कहा कि, 'फूलवालों की सैर' भी दिलवालों का त्योहार है जहाँ दिल्ली के हर धर्म-जाति-भाषा के लोग एक साथ आते है, इस उत्सव का लुत्फ उठाते है और रातभर शानदार क़व्वाली सुनते है।"

उन्होंने कहा कि, ऐसे त्यौहार हमारी परंपरा में बने रहे और न सिर्फ़ फूलवालों की सैर बल्कि लोगों के बीच का ये प्यार हमेशा दिल्लीवालों में बना रहे।

सीएम आतिशी ने कहा कि,₹ये दुख की बात है कि आज के दौर में लोगों को एक-दूसरे से बाँटने की कोशिश की जाती है। हमें भाषा, धर्म, जाति, सम्प्रदाय के नाम पर बांटा जाता है। लेकिन इंसान तो इंसान होता है। हम सभी को इंसान के रूप में अपनी पहचान बनाना जरूरी है।"

उन्होंने कहा कि, "इसलिए राजनीति और राजनेताओं को लोगों को बाँटने के काम से दूर रहना चाहिए और जो अपना काम कि, लोगों को अच्छे स्कूल देने, अस्पताल देने, बेहतर सुविधाएं देने, बिजली-पानी देने, आम आदमी को अच्छा भविष्य देने, युवाओं को अच्छी नौकरी देने का काम करना चाहिए।

सीएम आतिशी ने कहा कि, शायद अगर सब नेता ये काम को करने की कोशिश करेंगे तो हमारे देश को दुनिया में न.1 देश बनने से कोई नहीं रोक सकता है।

उन्होंने कहा कि, "हमारी सरकार ने पिछले 10 साल से आप लोगों की सेवा में पूरी मेहनत की है। चाहे बिजली देना हो, गली गली तक पानी पहुंचाना हो, चाहे गरीब से गरीब परिवार के बच्चे को अच्छी शिक्षा देना हो, हर व्यक्ति को अच्छा इलाज देना हो, चाहे बुजुर्गों को तीर्थयात्रा पर लेकर जाना हो या स्कूल कॉलेज और काम पर पहुंचाने के लिए महिलाओं फ्री बस यात्रा करवाना हो। पिछले 10 साल से हमने दिल्ली की जनता की सेवा करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि, हमें अबतक दिल्लीवालों का प्यार और आशीर्वाद मिला है और आशा है कि दिल्ली के लोग आगे भी हमपर अपना प्यार और आशीर्वाद बनाकर रखेंगे।

सीएम आतिशी ने अपने एक्स(ट्विटर) हैंडल से पोस्ट करते हुए कहा कि,₹फूलवालों की सैर₹ ने दिल्ली की सैकड़ों साल पुरानी गंगा-जमुनी तहज़ीब की परंपरा को कायम रखा है।

'पानी का बिल बढ़कर आए तो मत भरना', अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों से किया बड़ा वादा

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वजीरपुर विधानसभा में पदयात्रा के दौरान लोगों से कहा कि अगर आपका पानी का बिल बढ़कर आ रहा है तो आपको उसे भरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि फरवरी में होने वाले चुनाव के बाद वह सभी के पानी के बिल माफ करवा देंगे। केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने पिछले 10 सालों में पूरी ईमानदारी से काम किया है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल रविवार को वजीरपुर विधानसभा में पदयात्रा के लिए पहुंचे, जहां उन्होंने लोगों से फिर कहा कि आपका पानी का बिल बढ़कर आ रहा है तो आपको भरने की जरूरत नहीं है। केजरीवाल ने दावा किया कि फरवरी चुनाव के बाद मैं सभी के पानी के बिल माफ़ करवा दूंगा।

उन्होंने कहा कि 10 साल मैंने पूरी ईमानदारी से काम किया, पूरे देश में कहीं इतने काम नहीं हुए जितने दिल्ली में हुए हैं। सभी को मुफ्त बिजली, अच्छी शिक्षा और इलाज मिल रहा है, लेकिन भाजपा वाले कहते हैं कि दिल्ली की जनता को कुछ भी फ्री नहीं देना चाहिए।

मैंने दस साल ईमानदारी से किया काम

केजरीवाल ने वजीरपुर विधानसभा की जनता से संवाद करते हुए कहा कि जनता ने दस साल पहले मुझे दिल्ली की जिम्मेदारी दी थी। मैंने दस साल में पूरी ईमानदारी से काम किया है। दिल्ली में जितने काम हुए हैं, पूरे देश में पता कर लो, किसी भी सरकार में इतने काम नहीं किए हैं।

दिल्ली को मिलती है 24 घंटे बिजली

2015 में हमारी सरकार बनने से पहले रोज 10-10 घंटे के पावर कट लगते थे। पूरी रात बिजली नहीं रहती थी। लोगों को जनरेटर और इनवर्टर खरीदने पड़ते थे। इनवर्टर की बैटरी खरीदनी पड़ती थी।

अब किसी के घर में इनवर्टर या जनरेटर नहीं है. लोगों को 24 घंटे बिजली मिलती है। पूरे देश में सिर्फ दिल्ली में 24 घंटे बिजली आती है और कहीं नहीं आती है।

पहले आते थे 10-10 हजार के बिल

केजरीवाल ने कहा कि मुझे याद है 2015 में जब हमारी सरकार बनी। उससे पहले 10-10 हजार के बिजली के बिल आते थे। अब तो दिल्लीवालों को जीरो बिजली के बिल की आदत पड़ गई होगी। अगर किसी का बिल आता भी है तो 400-500 रुपये आता है।

अब तो दिल्ली वालों को सस्ती और जीरो बिजली के बिल की आदत पड़ गई। अब कहां याद है। अगर आपने भाजपा को वोट दे दिया तो फिर देख लेना क्या हाल होगा। फिर या तो बच्चे पालोगे या बिल भरोगे।

भाजपा पर साधा बिजली को निशाना

केजरीवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार और हरियाणा में अपने रिश्तेदारों से पूछ लेना कि वहां कितने घंटे बिजली जाती है। 22 राज्यों में भाजपा की सरकार है, लेकिन एक भी राज्य बता दो जहां 24 घंटे बिजली आती हो। अगर आपने गलती कर दी और इन लोगों को वोट दे दिया तो दोबारा 10-10 घंटे पावर कट लगेंगे। फिर सारी व्यवस्था खराब हो जाएगी।

बड़ी मुश्किल से दिल्ली ठीक की है और 24 घंटे केवल बिजली नहीं आती है बल्कि फ्री बिजली आती है। पूरे देश में कहीं भी जीरो बिजली का बिल नहीं आता। यूपी, गुजरात और बिहार में बहुत महंगी बिजली है।

गाजियाबाद के बाजारों में पटाखों पर प्रतिबंध, ऑनलाइन ऑर्डर पर हो रही होम डिलीवरी

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद में पटाखों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है। बाजरों में पटाखों की बिक्री रोक के बावजूद ऑनलाइन बिक्री शुरू हो गई है। सोशल मीडिया पर वाट्सएप नंबर वायरल कर ऑर्डर बुक किए जा रहे हैं और फ्री होम डिलीवरी की जा रही है। पुलिस की कार्रवाई के बावजूद पटाखों की बिक्री जारी है। ऐसा ही रहा दीवाली के बाद जिले की हवा और बिगड़ जाएगी।

गाजियाबाद। पटाखों की बिक्री पर पाबंदी के लिए भले ही पुलिस ने बीते कुछ दिनों में कार्रवाई करते हुए करीब डेढ़ करोड़ रुपये की आतिशबाजी बरामद की है, लेकिन बिक्री बंद नहीं हुई है। पटाखों की अब ऑनलाइन बिक्री शुरू हो गई है। ऑनलाइन ऑर्डर बुक कर फ्री होम डिलीवरी भी की जा रही है। सोशल मीडिया पर वाट्सएप नंबर वायरल कर जानकारी दी जा रही है।

पटाखों की बिक्री से जुड़ा वाट्सएप नंबर वायरल

एप के जरिए ऑर्डर बुक कर गाजियाबाद समेत पूरे एनसीआर में आपर्ति का दावा किया जा रहा है। कुछ दिनों से वाट्सएप पर पटाखों की बिक्री से जुड़ा एक नंबर वायरल हो रहा है। यह नंबर ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के लिए वायरल किया गया है। पटाखे ही पटाखे के नाम से बनाए गए मैसेज में लोगों को वाट्सएप पर संपर्क करने के लिए एक मोबाइल नंबर दिया जा रहा है।

बिना डिलीवरी चार्ज के बिक रहे पटाखे

मोबाइल नंबर पर मैसेज करने पर बातचीत शुरू होती है। दैनिक जागरण ने शुक्रवार को दिए गए मोबाइल नंबर पर वाट्सएप मैसेज के जरिए आपूर्तिकर्ता से बातचीत की। आपूर्तिकर्ता ने पटाखों की बिक्री करने की हामी भरने के बाद पूछा कि माल कहां मंगाना है। जब उन्हें क्षेत्र बताया गया तब जवाब आया कि माल पहुंच जाएगा। डिलीवरी चार्ज भी नहीं लिया जाएगा।

वाटसएप पर लिंक भेजकर ली जा रही बुकिंग

इसी बीच वाटसएप पर ही एक लिंक भी भेजा गया। लिंक खोलने पर एक एप खुला जिसमें अग्रवाल फायर वर्क्स के नाम से बने पेज पर ऑर्डर लिए जा रहे हैं। पेज पर 40 रुपये से लेकर 7880 रुपये के पटाखे बिक्री के लिए बुक किए जा रहे हैं।

यही हाल रहा तो दीवाली पर हवा हो जाएगी पाबंदी

जिस तरह पटाखों का ऑर्डर बुक कर डिलीवरी की जा रही है उससे साफ है कि पुलिस आतिशबाजी की बिक्री पर रोक नहीं लगा पा रही है। अभी वर्तमान में ही हवा की गुणवत्ता बिगड़ चुकी है।

यही हाल रहा तो दीवाली पर पटाखों पर पाबंदी हवा हो जाएगी। प्रदूषण की रोकथाम के लिए बीते कुछ वर्षों से पटाखों के उत्पादन, भंडारण और बिक्री पर रोक लगी हुई है। इसके बाद भी बाजार में पटाखों की बिक्री होती है। इस बार ऑनलाइन भी शुरू हो गई है।

दीवाली पर महंगाई से आम लोगों को राहत! इन जगहों पर मिलेगी सस्ती दाल, चावल और प्याज

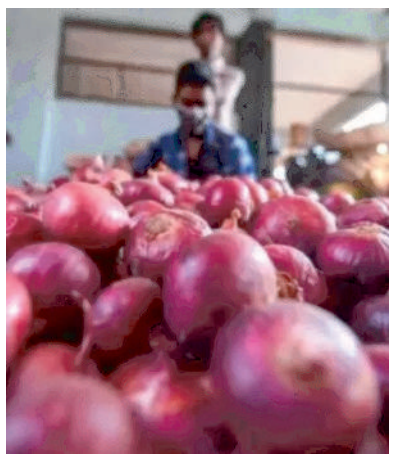

परिवहन विशेष न्यूज

केंद्र सरकार ने महंगाई से परेशान लोगों को दीवाली पर राहत दी है। नेफेड की तरफ से सस्ती दाल चावल आटा सहित प्याज बेचे जाने वाली योजना को केंद्र ने दोबारा लॉन्च कर दिया है। अब दिल्ली एनसीआर के लोग रिटेल आउटलेट्स में पहुंचकर कम दाम पर दाल चावल आटा और प्याज खरीद सकेंगे। कई जगहों पर इसकी बिक्री चालू हो चुकी है।

ग्रेटर नोएडा। केंद्र सरकार की तरफ से आमजन को महंगाई से राहत दिलाने के लिए पूर्व में लोकसभा चुनाव के पहले नेफेड की तरफ से सस्ती दाल, चावल, आटा सहित प्याज का वितरण कम मूल्य पर किया गया था। दूसरे फेज में सरकार ने दीपावली के पहले रिटेल आउटलेट्स, मोबाइल वैन के माध्यम से इसे दोबारा लॉन्च कर दिया है। कई जगह पर इसका वितरण शुरू भी किया जा चुका है। कई जगह पर अभी स्टाक पहुंचना बाकी है।

इन स्टोर में मिलेगा कीफायती दाम पर सामान

भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ यानी नेफेड की तरफ से दूसरे फेज में सस्ती दाल, चावल, आटा सहित प्याज का वितरण होना है। इसमें केंद्र सरकार की तरफ से फूडचेन आउटलेट्स में रिलायंस स्टोर, बिग बाजार, विशाल मेगामार्ट, वीमार्ट सहित विभाग की मोबाइल वैन के माध्यम से आमजन को सस्ते दर में इनकी उपलब्धता कराना है। एनसीआर क्षेत्र के जिलों में भी इनका वितरण होना है।

केंद्र सरकार ने 23 अक्टूबर को लॉन्च की थी योजना

योजना को बीती 23 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने लॉन्च कर दिया है। इसमें दूसरे फेज के अंतर्गत आठ राज्यों में वितरण किया जाएगाप। इन राज्यों में मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश,बिहार, दिल्ली, महाराष्ट्र, कर्नाटक,राजस्थान व गुजरात राज्य शामिल हैं।

35 रुपये प्रति किलो मिलेगा प्याज

विभाग की मानें तो दीपावली तक दाल का भी स्टाक मिल जाएगा। दूसरे फेज में दाल 70 रुपये प्रति किलो, आटा 30 रुपये प्रति किलो, चावल 34 रुपये प्रति किलो व प्याज 35 रुपये प्रति किलो की दर से आमजन को उपलब्ध कराया जा रहा है।

जीएम नेफेड दिल्ली अमित गोयल का कहना था कि बुधवार से सस्ता आटा, दाल सहित चावल व प्याज का वितरण शुरू हो जाएगा। यह सभी चिंहित फूड चेन आउटलेट्स पर उपलब्ध होगा।

नोएडा में 245 किलो दूषित मिठाई कराई नष्ट

दीपावली पर्व को लेकर दूषित खाद्य पदार्थों व मिठाइयों की बिक्री व उत्पादन पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी शनिवार को भी जारी रही। टीम ने नोएडा में कई प्रतिष्ठानों व मिठाइयों की दुकानों से आठ नमूने भरे। नोएडा के सेक्टर 155 व सेक्टर 115 से 45 किलो व दो क्विंटल दूषित मिठाई नष्ट कराई।

सहायक आयुक्त खाद्य सर्वेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर तीनों टीमों ने छापेमारी की। जिसमें मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वीरेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार व विजय बहादुर पटेल की टीम ने नोएडा सेक्टर 155 में बांसुरीवाला स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की निर्माण शाला से घी व बेसन के लड्डू का नमूना भरा।

लखनऊ प्रयोगशाला भेजे गए आठ नमूने

यहां पर लगभग 45 किलो दूषित मिठाई मिली जिसे टीम ने नष्ट कराया। यहां से टीम ने गेजा रोड नोएडा स्थित अशोक खोया एवं पनीर भंडार से घी का एक नमूना, गांव चौड़ा सेक्टर 22 स्थित प्रवीण फूड प्रोडक्ट की नमकीन में छापेमारी कर निर्माण इकाई से एक मिर्च पाउडर, एक नमकीन का नमूना भरा।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ओपी सिंह व अमर बहादुर सरोज की टीम ने सेक्टर 155 सौरखा नोएडा स्थित कृष्णा इंटरप्राइजेज की निर्माणशाला से पेड़ा व बर्फी का एक-एक नमूना भरा। मौके पर ही मिली दो क्विंटल दूषित मिठाई को नष्ट किया। तीनों टीमों ने कुल आठ नमूने भरे जिनको जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा गया है।

सुंदर भाटी का लॉरेंस बिश्नोई से कनेक्शन! जेल से बाहर आने पर टेंशन में पुलिस; ठेकेदार से कैसे बन गया गैंगस्टर?

परिवहन विशेष न्यूज

गैंगस्टर सुंदर भाटी को हाईकोर्ट इलाहाबाद से जमानत मिल गई। हरेंद्र नागर हत्या कांड में सुंदर भाटी को जमानत मिली है। वह सोनभद्र जेल में बंद था। सूत्रों की माने तो रिहाई के बाद गैंगस्टर भाटी सोनभद्र से सीधे दिल्ली रवाना हो गया। भाटी की रिहाई के बाद एक बार फिर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में खलबली मच सकती है जिसे देखते हुए कमिश्नरेट पुलिस भी चौकन्ना हो गई है।

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के घंघोला गांव का सुंदर भाटी जरायम की दुनिया में कदम रखने से पहले ठेकेदारी में पांव जमाए था। ठेकेदारी में मजबूत पकड़ बनाने और अधिक पैसा कमाने के लिए उसने नेताओं के साथ उठ-बैठकर संबंधों को मजबूत करना शुरू किया। नेताओं के इर्द-गिर्द रहते हुए उसका राजनीति की ओर झुकाव हुआ। उसकी इस महत्वाकांक्षा के आड़े उसके मित्र नरेश भाटी ही आ गया।

नरेश भाटी से थी अच्छी दोस्ती

नरेश भाटी और सुंदर भाटी की शुरुआत में अच्छी मित्रता थी। सुंदर भाटी जहां ठेकेदारी का काम कर रहा था। वहीं नरेश भाटी अपराध की दुनिया से जुड़ा था। दोनों ने मिलकर कई आपराधिक घटनाओं को मिलकर अंजाम दिया था।

इसके बाद नरेश के साथ ही सुंदर का नाम भी अपराध की दुनिया में गूंजने लगा। दोनों ही राजनीति में अपनी जड़े मजबूत करने में जुटे थे, लेकिन नरेश भाटी ने सुंदर भाटी को पीछे छोड़ जिला पंचायत अध्यक्ष बन गया।

माननीय होकर लालबत्ती में घूमने लगा...

नरेश भाटी जिला पंचायत अध्यक्ष बना तो वह माननीय होकर लालबत्ती में घूमने लगा, यह बात सुंदर को ज्यादा परेशान करने लगी। दोनों के बीच दोस्ती में दरार आ गई। रंजिशन सुंदर भाटी ने गिरोह को तोड़कर अपना नया गुट बना लिया।

2003 में सुंदर भाटी गैंग ने नरेश भाटी पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसकी हत्या कर दी। इस घटना के बाद सुंदर भाटी जिले का कुख्यात बनकर उभरा। जिसके बाद वह लगातार संगीन अपराध कर जरायम की दुनिया में सिक्का जमाता चला गया।

लॉरेंस बिश्नोई से कनेक्शन आया था सामने

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुंदर भाटी को कुख्यात बदमाशों में गिना जाता है। गैंगस्टर सुंदर भाटी के लॉरेंस बिश्नोई से भी कनेक्शन की बात सामने आई थी। अतीक अहमद हत्याकांड में सुंदर और बिश्नोई का नाम सामने आया था। सुंदर भाटी पर हत्या, अवैध वसूली, जानलेवा हमले समेत अन्य संगीन अपराधों में 60 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

तीन राज्यों की पुलिस के लिए बना सिरदर्द

सुंदर दो दशक पहले उत्तर प्रदेश ही नहीं हरियाणा व दिल्ली पुलिस के लिए चुनौती बन गया था। कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी के जेल से रिहा होने में कही न कही कमिश्नरेट पुलिस की पैरवी फेलियर साबित हुई है। स्क्रैप व सरिया के कारोबार को लेकर छिड़ी जंग सुंदर शहर में फैले स्क्रैप व सरिया के कारोबार के अवैध कारोबार को हथियाना चाहता था।

शादी समारोह में कराई हरेंद्र नागर की हत्या

स्क्रैप व सरिया के कारोबार से जुड़े हरेंद्र नागर की वर्ष 2015 में सुंदर भाटी समेत अन्य विरोधियों ने एकजुट होकर नियाना गांव में एक शादी समारोह में हत्या कर दी थी। बदमाशों की गोली से हरेंद्र नागर के साथ उसका सरकारी गनर भूदेव शर्मा भी मारा गया था। हरेंद्र हत्याकांड मामले में मार्च 2021 को कुख्यात बदमाश सुंदर भाटी समेत 12 बदमाशों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई थी।

STF ने मई 2023 में अनिल दुजाना मार गिराया था

सुंदर भाटी गैंग के एक बड़े प्रतिद्वंदी माने जाने वाले अनिल दुजाना को यूपी एसटीएफ ने मई 2023 में मुठभेड़ में मार गिराया था। कुछ दिनों पहले तक हरेंद्र का भाई व स्क्रैप व सरिया माफिया रवि काना के हाथों में सरिया व स्क्रैप के कारोबार की बागडोर थी।

रवि काना भी गैंगस्टर व सामूहिक दुष्कर्म के मामले में बांदा जेल में बंद है। सूत्रों की माने तो रवि काना के जेल जाने के बाद अब उसके कुछ करीबी सरिया व स्क्रैप के कारोबार को चला रहे हैं। ऐसे में कुख्यात सुंदर भाटी के जेल से बाहर आने के बाद वर्चस्व और बदले की जंग तेज हो सकती है।

मुकदमों व कार्रवाई की फिर से होगी समीक्षा

गैंगस्टर सुंदर भाटी के जेल से रिहा होने की खबर से कमिश्नरेट पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई है। पुलिस उस पर दर्ज मुकदमों व कार्रवाई पर फिर से समीक्षा करेगी, ताकि उस पर नकेल कसी जा सके, हालांकि पुलिस खुद को ऐसा दिखा रही है कि यह एक प्रक्रिया है। जमानत के बाद अपराधी बाहर आते हैं।

वहीं, सुंदर भाटी, रवि काना व अन्य अपराधियों के गिरोह में गैंगस्टर की संभावना को लेकर भी पुलिस अलर्ट हो गई है। स्थानीय पुलिस के साथ-साथ खुफिया इकाई ने भी सतर्क हो गई है। वह इनपुट जुटाने में जुट गई है।

अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी

पी. चिदम्बरम

माओ त्से तुंग के बारे में मेरा पसंदीदा किस्सा यह है कि जब उनसे पूछा गया कि फ्रांसीसी क्रांति का मानव इतिहास पर क्या प्रभाव पड़ेगा, तो उन्होंने कथित तौर पर कुछ देर सोचा और कहा, ''अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।'' चीन इंतजार करता है। चीन धैर्यवान है।

माओ त्से तुंग के बारे में मेरा पसंदीदा किस्सा यह है कि जब उनसे पूछा गया कि फ्रांसीसी क्रांति का मानव इतिहास पर क्या प्रभाव पड़ेगा, तो उन्होंने कथित तौर पर कुछ देर सोचा और कहा, ''अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी।'' चीन इंतजार करता है। चीन धैर्यवान है। चीन यह दावा नहीं करता कि वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है या उसने सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कोई तारीख तय की है। एक उभरती हुई महाशक्ति में ये गुण दुर्लभ हैं। दूसरी तरफ, चीन एक लोकतंत्र नहीं है और इसके लोगों को वे स्वतंत्रताएं नहीं मिलतीं, जो लोकतंत्रों को पसंद होती हैं। इसके विपरीत, भारत कुल मिलाकर लोकतांत्रिक देश है, साथ ही शोरगुल और झगड़ालु भी है। भारत समय से पहले ही जश्न मना लेता है। उदाहरण के लिए, पैरिस ओलंपिक 2024 में पदक तालिका इस प्रकार है-

	स्वर्ण	रजत	कांस्य	
1. संयुक्त राज्य अमरीका	40	44	42	
2. चीन	39	27	24	
71. भारत	00	01	05	

संयुक्त राज्य अमरीका या चीन की तुलना में भारत में अधिक जश्न मनाया गया।

विरोधाभासी घोषणाएं: विरोधाभास तब दिखाई दिया जब कुछ दिनों पहले वास्तविक नियंत्रण रेखा पर 'गश्त व्यवस्था' पर दोनों देशों के बीच समझौते की घोषणा की गई। मई 2020 में हुई झड़पों के बाद यह पहली सफलता है। भारत की ओर से विदेश सचिव ने एक प्रैस कांफ्रैंस को संबोधित किया। विदेश मंत्री ने एक साक्षात्कार दिया और सेना प्रमुख ने एक कार्यक्रम में बात की। विदेश मंत्री ने कहा ''हम 2020 में जिस स्थिति में थे, वहीं वापस चले गए हैं।'' हालांकि, सेना प्रमुख ने कहा, ''हम अप्रैल 2020 की यथास्थिति पर वापस जाना चाहते हैं। इसके बाद, हम वास्तविक नियंत्रण रेखा के विघटन, डी-एस्केलेशन और सामान्य प्रबंधन पर विचार करेंगे।'' चीन की ओर से, विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने एक तथ्यात्मक बयान दिया, ''चीन और भारत कूटनीतिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से सीमा से संबंधित मुद्दों पर निकट संपर्क में हैं।

वर्तमान में, दोनों पक्ष प्रासंगिक मामलों पर एक समाधान पर पहुंच गए हैं जिसका चीन ने सकारात्मक मूल्यांकन किया है। अगले चरण में, चीन उपरोक्त समाधान को लागू करने के लिए भारत के साथ काम करेगा।'' (टी.ओ.आई.)।

उन्होंने कोई विवरण देने से इंकार कर दिया।

हम कहां खड़े हैं : पिछले रविवार तक की स्थिति को याद करना उपयोगी होगा। पी.एल.ए. बलों ने मार्च-अप्रैल 2020 में एल.ए.सी. पार करके भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया। भारत को 5 मई, 2020 को घुसपैठ का पता चला। घुसपैठियों को हटाने के प्रयास में, भारत ने 20 बहादुर सैनिकों को खो दिया। चीनी भी अज्ञात संख्या में हताहत हुए। प्रधानमंत्री ने 19 जून, 2020 को एक सर्वदलीय बैठक बुलाई। अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा, ''किसी बाहरी व्यक्ति ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ नहीं की है, न ही कोई बाहरी व्यक्ति भारत के अंदर था।'' लेकिन कई सैन्य अधिकारियों और विशेषज्ञों के अनुसार, भारत अब लगभग 1000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के नियंत्रण में नहीं है, जहां हमारे सैनिक पहले गश्त कर सकते थे। कठोर तथ्य यह है कि चीन पूरी गलवान घाटी पर दावा करता है। उसका दावा है कि एल.ए.सी. ङ्कषफगर 4 से होकर गुजरती है न कि फिंगर 8 से। चीन ने हॉट स्प्रिंग्स पर कुछ भी नहीं माना है। भारत डेमचोक और देपसांग पर चर्चा करना चाहता था, लेकिन चीन ने इंकार कर दिया। चीन अक्साई चिन और भारत के साथ 3,488 किलोमीटर लंबी सीमा पर सैन्य बुनियादी ढांचा बना रहा है। इसने एल.ए.सी.तक 5 प्रतिशत नैटवर्क स्थापित किया है। इसने पैंगोंग त्सो पर एक पुल बनाया है। इसने सीमा पर सैन्य हार्डवेयर और हजारों सैनिकों को लगाया है।

विदेश मंत्रालय की घोषित आधिकारिक स्थिति यथास्थिति की बहाली रही है। सरकार ने लगातार 'विघटन', 'डी-एस्केलेशन', जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया है। हालांकि, हाल के महीनों में विदेश मंत्रालय ने 'यथास्थिति' जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया है। सरकार ने सराहनीय धैर्य और दृढ़ता दिखाई है। अगर गश्त पर वास्तव में कोई समझौता होता है जिसमें चीन ने उस शब्द पर आपत्ति जताई और 'महत्वपूर्ण प्रगति' कहना पसंद किया तो यह सरकार के लिए चीन के अप्रत्याशित व्यवहार के सामने अपने रास्ते पर बने रहने के लिए एक पुरस्कार होगा।

अंत या शुरूआत नहीं : ऐसा लगता है कि दोनों देश गश्त व्यवस्था पर सहमत हो गए हैं, लेकिन इससे ज्यादा नहीं। ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों द्वारा गश्त महीने में 2 बार समन्वित रूप से की जाएगी और सैनिकों की संख्या 15 तक सीमित रहेगी। देपसांग मैदानों में, चीन ने वाई-जंक्शन से आगे और पारंपरिक गश्त बिंदू 10, 11, 11ए, 12 और 13 तक भारतीय सैनिकों की पहुंच को अवरुद्ध कर दिया है। यह मान लेना विश्वास की छलांग है कि इन सभी मुद्दों को सुलझा लिया गया है। अभी भी अविश्वास की एक धारा है। हमारे लोकतंत्र पर एक दुखद बात यह है कि पिछले 4 सालों में भारत-चीन संघर्ष पर संसद में एक बार भी चर्चा नहीं होने दी गई। पैट्रोङ्कषलग डील पर रक्षा विशेषज्ञों ने सावधानी बरतने की सलाह दी है। कांग्रेस ने उचित और स्पष्ट सवाल उठाए हैं और अन्य विपक्षी दल चुप रहे हैं। क्या अक्तूबर में होने वाली सहमति भारत और चीन को व्यापक बातचीत के जरिए समाधान तक ले जाएगी? यह कहना अभी जल्दबाजी होगी।

रूढ़िवादी स्कूल शिक्षा प्रणाली से मुक्ति जरूरी है

ताजा समाचार कहते हैं कि दिल्ली के शिक्षा निदेशालय ने सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में 10 'बस्ता मुक्त दिवस' लागू करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इन निर्धारित दिनों में बच्चों को बिना बैग के स्कूल आना होगा। शिक्षा निदेशालय ने एक सर्कुलर में सभी स्कूलों के प्रमुखों को निर्देश दिया कि वे कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए स्कूलों में बस्ता मुक्त 10 दिन लागू करें। सर्कुलर में कहा गया है कि ये दिशा-निर्देश राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एन.सी.ई.आर.टी.) द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफारिश के अनुसार निर्धारित किए गए हैं और इनका उद्देश्य 'स्कूल में छात्रों के सीखने को एक आनंदमय और तनाव मुक्त अनुभव का माहौल तैयार करना है।'

भारी स्कूल बैग छात्रों के स्वास्थ्य और सेहत के लिए एक गंभीर खतरा है। बढ़ते बच्चों पर इसका गंभीर, प्रतिकूल शारीरिक प्रभाव पड़ता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी और घुटनों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे उनमें चिंता भी पैदा होती है। इसके अलावा, बहुमंजिला इमारतों में चलने वाले स्कूलों में बच्चों को भारी स्कूल बैग के साथ सीढियां चढऩी पड़ती हैं, जिससे समस्या और स्वास्थ्य संबंधी परिणाम और भी बढ़ जाते हैं। यह भारी बोझ इसलिए भी है क्योंकि बच्चे हर दिन कक्षा में पाठ्य पुस्तकें, गाइड, गृहकार्य नोटबुक, रफ वर्क नोटबुक आदि लाते हैं। इसलिए, स्कूलों में क्या लाना है, इस बारे में स्पष्ट दिशा-निर्देशों की आवश्यकता है।

तेलंगाना के कुछ जिलों में अनुमानित स्कूल बैग का भार प्राथमिक स्तर पर लगभग 6 से 12 किलोग्राम तथा हाई स्कूल स्तर पर 12 से 17 किलोग्राम फिनलैंड और सिंगापुर जैसे देशों की स्कूल शिक्षा में ऐसा कुछ भी नहीं है और यह भी सच है कि हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली में भी भारी बैग नहीं होते थे कुछ समय पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार, पहली से 12वीं क्लास तक के लिए, होमवर्क और स्कूली बस्तों को लेकर ताजा तरीन दिशा-निर्देश दिए गए थे। इसे तमाम राज्य सरकारों के साथ सांझा किया गया, और साथ ही एक सर्कुलर जारी करके, उन्हें इसे लागू करने को कहा गया था लेकिन इसके खास नतीजे नहीं निकले हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि छात्रों के लिए भारी स्कूल बैग एक बड़ी दिक्कत के रूप में विदित हुआ है कुछ समय पहले एक राष्ट्रीय संगठन द्वारा दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, मुंबई और हैदराबाद सहित 10 बड़े शहरों में 2000 से ज्यादा बच्चों और उनके पैरेंट्स पर मार्च-अप्रैल के दौरान एक सर्वे किया गया था। इसमें देखा गया कि 12 साल से कम उम्र के करीब 1500 बच्चे ठीक तरीके से नहीं बैठ सकते और उनमें ऑर्थोपेडिक समस्याएं होती हैं। अधिकतर पैरेंट्स ने शिकायत की कि एक दिन में 7 से 8 क्लास होती हैं और हर सब्जैक्ट में कम से कम तीन किताबें (टैक्स्ट बुक, नोटबुक, वर्कबुक) होती हैं। इसके अलावा बच्चे स्पोर्ट्स किट, स्विमबैग, क्रिकेट किट वगैरह भी कैरी करते हैं। 5 से 12 साल की उम्र के बीच स्कूली बच्चे अपने बैग में काफी ज्यादा वजन उठाते हैं, जिसके कारण बच्चों में पीठ दर्द और तनाव का खतरा ज्यादा होता है। सर्वे में कहा गया है, ''करीब 82 फीसदी बच्चे अपनी पीठ पर अपने वजन का करीब 35 फीसदी भार ढोते हैं।

भारी स्कूल बैग के कारण बच्चों में पीठ की समस्या बढ़ जाती है जो अक्सर उम्र के साथ और बढ़ती चली जाती है भारी स्कूल बैग से मुक्ति राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत भारतीय स्कूल शिक्षा में सुधार हेतु यह एक अच्छा प्रयास है बशर्ते इसे लागू करने में स्कूल चलाने वालों और शिक्षा प्रशासन के इरादे साफ रहें। देश के सभी राज्यों को स्कूल जाने वाले नन्हें मुन्नों को और अन्य छात्रों को तनाव मुक्त शिक्षा के लिए वांछित अकादमिक माहौल उपलब्ध करना होगा इससे स्कूल कक्षा में एनरोलमैंट बेहतर होगी क्योंकि हमारे पास एक रूढ़िवादी शिक्षा प्रणाली है जो मूल रूप से गुणवत्ता के बजाय मात्रा पर ध्यान केंद्रित करती है।

आज छोटे-छोटे बच्चों-छात्रों के भारी-भरकम स्कूली बैग से न केवल बच्चों के स्वास्थ्य पर विपरीत असर पड़ रहा है बल्कि वे पढ़ाई में ध्यान नहीं लगा पाते, इस भारी बैग से छात्रों को मुक्त करने के लिए गैर-जरूरी पाठ्यक्रम और विषयों की हर कक्षा के हर स्तर पर पहचान जरूरी है इसके लिए सभी राज्यों में पाठयक्रम बनाने वाली रैगुलेटरी बॉडी आगे आए तो बेहतर होगा।

-डा. वरिन्द्र भाटिया

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

एनटीपीसी और भारतीय सेना हरित हाइड्रोजन नवाचार के साथ दूरदराज के ठिकानों को बिजली देने के लिए हुए एकजुट

परिवहन विशेष न्यूज

एनटीपीसी ने भारतीय सेना के साथ मिलकर लद्दाख के चुशुल में सौर हाइड्रोजन आधारित माइक्रोग्रिड विकसित किया है, जिससे ऑफ-ग्रिड सैन्य स्थानों के लिए स्थिर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस महत्वपूर्ण परियोजना की आधारशिला रखी, जिसमें रक्षा मंत्रालय, भारतीय सेना और एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

स्वतंत्र रूप से संचालित करने के लिए डिज़ाइन किया गया यह नवोन्मेषी माइक्रोग्रिड, पूरे वर्ष लगातार 200 किलोवाट बिजली प्रदान करने के लिए ऊर्जा भंडारण माध्यम के रूप में हाइड्रोजन का उपयोग करेगा।

यह दूरदराज के सैन्य ठिकानों पर डीजल जनरेटर की जगह लेगा, जिससे 4,400 मीटर की ऊंचाई पर -30 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाने वाले तापमान के साथ अत्यधिक सर्दियों की परिस्थितियों में भी स्थायी ऊर्जा उपलब्ध होगी। एनटीपीसी 25 वर्षों तक इस परियोजना की देखरेख करेगी और चुनौतीपूर्ण इलाकों में भारतीय सैनिकों की सहायता करेगी।

सौर-हाइड्रोजन माइक्रोग्रिड प्रणाली नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण को बढ़ावा देती है, तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित करती है।

लद्दाख की उच्च सौर क्षमता के साथ, यह पहल आत्मनिर्भरता को बढ़ाती है और ईंधन रसद पर निर्भरता को समाप्त करती है। यह परियोजना एनटीपीसी के 2032 तक 60 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के लक्ष्य के अनुरूप है और कंपनी को हरित हाइड्रोजन प्रौद्योगिकी और ऊर्जा भंडारण में अग्रणी के रूप में स्थापित करती है।

हर ई-रिक्शा यानी टोटो पर क्यूआर कोड

परिवहन विशेष न्यूज

पश्चिम बंगाल के विभिन्न शहरों में ई-रिक्शा यानी टोटो का परिचालन लोगों के बीच उत्साह का कारण बन गया है, लेकिन साथ ही बढ़ती अव्यवस्था भी चिंता का विषय बन गई है। परिवहन मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने हाल ही में बालुरघाट में घोषणा की कि राज्य सरकार ने शहरों में भीड़भाड़ कम करने के लिए टोटो के लिए एक विशेष योजना बनाई है।

स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि ई-रिक्शा यानी टोटो के अनियंत्रित परिचालन से कई शहरों में अव्यवस्था फैल रही है। इसलिए आने वाले समय में राज्य सरकार पंजीकरण और परमिट के माध्यम से एक व्यवस्थित व्यवस्था लाएगी, जिससे ई-रिक्शा यानी टोटो चालकों और आम जनता दोनों को फायदा होगा।

मंत्री स्नेहाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में ई-रिक्शा यानी टोटो की संख्या करीब 10 लाख तक पहुंच गई है, जिससे इन पर नियंत्रण करना मुश्किल हो गया है। कुछ मामलों में यह भी शिकायतें आई हैं कि ई-रिक्शा यानी टोटो की वजह से ट्रैफिक जाम की समस्या बढ़ रही है और बसों, एंबुलेंस और अन्य वाहनों की आवाजाही बाधित हो रही है। परिवहन मंत्री ने संकेत दिया कि पश्चिम बंगाल में टोटो को क्यूआर कोड के साथ पंजीकृत किया जाएगा।

पिछले महीने राज्य परिवहन विभाग ने ई-रिक्शा यानी टोटो के संचालन को विनियमित करने के लिए नए दिशानिर्देश जारी किए थे। जिसके तहत ई-रिक्शा चालकों को केवल निर्दिष्ट पंजीकरण मार्गों के भीतर ही परिचालन करने की अनुमति दी गई थी ताकि अवांछित ट्रैफिक जाम से बचा जा सके और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। ई-रिक्शा को सार्वजनिक परिवहन के अंतिम-मील वाहन के रूप में पेश किया गया था, ताकि लोगों को मुख्य सड़कों से उनके घरों तक पहुँचाया जा सके। ई-रिक्शा यानी टोटो के आने से कई लोगों को रोजगार मिला है।

गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स के ईवी डिवीजन ने बैटरी सामग्री उत्पादन का विस्तार करने के लिए जुटाए ₹1,000 करोड़

परिवहन विशेष न्यूज

गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड ने अपनी इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी सामग्री सहायक कंपनी, जीएफसीएल ईवी प्रोडक्ट्स के लिए ₹1,000 करोड़ हासिल किए हैं, ताकि उच्च-विकास बैटरी और ऊर्जा भंडारण बाजार में विस्तार किया जा सके। फंडिंग राउंड का नेतृत्व InoxGFL ग्रुप के प्रमोटरों ने किया, जिसमें भारत के प्रमुख व्यावसायिक समूहों के उल्लेखनीय निवेशकों और प्रमुख पारिवारिक कार्यालयों की भागीदारी थी।

पूंजी निवेश से जीएफसीएल ईवी प्रोडक्ट्स का मूल्य ₹25,000 करोड़ आंका गया है और इसका उद्देश्य कंपनी के पूंजीगत व्यय को सहारा देना है क्योंकि यह ईवी और ऊर्जा भंडारण प्रणाली (ईएसएस) समाधानों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा करने के लिए परिचालन का विस्तार कर रही है। जीएफसीएल ईवी का लक्ष्य दुनिया भर में बैटरी और सेल निर्माताओं के लिए एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला भागीदार के रूप में खुद को स्थापित करना है, जो टिकाऊ बैटरी सामग्रियों की बढ़ती ज़रूरत को पूरा करता है।

अपने विविधतापूर्ण बैटरी सामग्री पोर्टफोलियो के साथ, जीएफसीएल ईवी अमेरिकी मुद्रास्फीति न्यूनीकरण अधिनियम और विविधतापूर्ण, बहु-मूल आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए वैश्विक धुरी द्वारा बनाए गए अवसरों का लाभ उठाने की स्थिति में है।

इनॉक्सजीएफएल समूह के कार्यकारी निदेशक, देवांश जैन ने इस बात पर प्रकाश डाला कि जीएफसीएल ईवी महत्वपूर्ण वृद्धि के लिए ट्रैक पर है क्योंकि यह प्रमुख वैश्विक ऑटोमोटिव मूल उपकरण निर्माताओं के साथ साझेदारी बनाता है।

जीएफसीएल ईवी का विस्तार 2030 तक अनुमानित 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर के वैश्विक ईवी बैटरी आपूर्ति श्रृंखला बाजार की पृष्ठभूमि में किया गया है। जैसे-जैसे कंपनी अपनी उत्पादन क्षमताओं को मजबूत करती है, इसका लक्ष्य कुशल, टिकाऊ बैटरी समाधानों की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और ऊर्जा भंडारण दोनों क्षेत्रों की जरूरतों को पूरा करना है।

युमा एनर्जी ने नोएडा में बैटरी स्वैपिंग सेवा शुरू की, पूरे उत्तर प्रदेश में करेगी विस्तार

परिवहन विशेष न्यूज

युमा एनर्जी ने नोएडा में इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए बैटरी चार्जिंग स्टेशन शुरू किया है। यहां से लोगों को महज एक मिनट में चार्ज बैटरी मिल जाएगी। ऐसे में इलेक्ट्रिक वाहन चलाने वाले लोग अब अलग-अलग जगहों पर रुककर चार्जिंग का इंतजार करने की बजाय डिस्चार्ज बैटरी को नोएडा में जमा करा सकेंगे और वहां से एक मिनट में पूरी तरह चार्ज बैटरी प्राप्त कर सकेंगे।

स्वैपिंग स्टेशनों का नेटवर्क स्थापित करने की योजना के साथ कंपनी का लक्ष्य अगले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर विस्तार करना है। इसके लिए कंपनी लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद और वाराणसी समेत उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों में अपने केंद्र स्थापित करने की तैयारी में है। कंपनी के इस विस्तार के साथ ही युमा एनर्जी उत्तर प्रदेश में 200 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके लिए इन्वेस्ट यूपी में राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस पहल से 500 प्रत्यक्ष रोजगार और एक लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा।

युमा एनर्जी इस समय देशभर में हर महीने करीब 15 लाख बैटरियां बदलती है। यानी डिस्चार्ज बैटरियां लेकर लोगों को चार्ज बैटरियां मुहैया करा रही है। कंपनी अपनी बैटरी स्वैपिंग सेवाओं को और बेहतर बनाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए फास्ट चार्जिंग तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। जिससे बैटरी स्वैप करने का समय घटकर महज एक मिनट रह जाएगा। ऐसे में लोगों को सेंटर पहुंचकर अपने वाहन की बैटरी बदलने में महज एक मिनट लगेगा। इससे कमर्शियल ईवी को काफी फायदा होगा।

युमा एनर्जी के प्रबंध निदेशक मुथु सुब्रमण्यन ने कहा कि ई-मोबिलिटी में उत्तर प्रदेश अग्रणी राज्य है। खासकर थ्री-व्हीलर सेगमेंट में राज्य ने काफी तेजी से प्रगति की है। इसके लिए राज्य द्वारा ई-मोबिलिटी के लिए अपनाई गई अनुकूल नीति काफी फायदेमंद साबित हुई है। नोएडा में कंपनी की शुरुआत से शहर के लोगों को सुविधा मिलेगी जो तेजी से ईवी अपना रहे हैं इन्वेस्ट यूपी के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रथमेश कुमार ने युमा एनर्जी की पहल का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि राज्य का ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर काफी अच्छा है। कंपनियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में इन्वेस्ट यूपी की भूमिका अहम रही है।

धनतेरस के लिए इलेक्ट्रिक ऑटोमोबाइल बाजार तैयार, वाहनों की हो रही एडवांस बुकिंग

परिवहन विशेष न्यूज

दीपावली और धनतेरस के लिए चंडीगढ़ के बाजार पूरी तरह से सज गए हैं। खरीदारी के लिए लोगों में उत्साह बना हुआ है तो वहीं बाजार में बढ़ती भीड़ के चलते दुकानदार भी खुश नजर आ रहे हैं। ऑटोमोबाइल सेक्टर के साथ-साथ बर्तन बाजार में भी रौनक नजर आने लगी है। दो पहिया वाहनों से लेकर चौपहिया वाहनों को खरीदने में ग्राहक काफी दिलचस्पी दिखा रहे है। हालांकि कि कई वाहन शोरूमों पर एडवांस बुकिंग भी की जा रही है।

टू-व्हीलर से लेकर चौपहिया वाहनों को देखने पहुंच रहे ग्राहकों को कई तरह के लुभावने आकर्षण ऑफर भी दिए जा रहे हैं, गिफ्ट हैंपर, स्क्रैच कार्ड, कैशबैक, सोन व चांदी का सिक्का शामिल है। इससे वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को भी फायदा मिल रहा है साथ ही वाहन बेचने वाले संचालकों के भी वारे न्यारे हो रहे हैं। धनतेरस पर बर्तन, आभूषण, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल के साथ-साथ अन्य सामानों को खरीदने की परंपरा है, जिससे धनतेरस के दिन बाजार में भीड़ उमड़ने की संभावना है। इलेक्ट्रिक स्कूटर व ई-बाइक को भी खरीदने के लिए लोग शोरूमों पर रुख कर रहे है, लेकिन पेट्रोल, डीजल व सीएनजी वाहनों की खरीदारी अभी भी ज्यादा बताई जा रही है। दो पहिया ऑटोमोबाइल एजेंसी संचालकों के मुताबिक अभी तक धनतेरस के लिए 50 से ज्यादा वाहनों की बुकिंग हो चुकी है, जबकि धनतेरस को अभी दो दिन शेष है। ऐसे में ग्राहक भी वाहनों को बुक

कराने के बाद निश्चिंत हो रहे और धनतेरस के दिन वाहनों को घर ले जाने की तैयारियों में है।

धनतेरस पर बेहतर कारोबार की आस : सतबीर पुरी

कारोबारी सतबीर पुरी का कहना है कि ग्राहक सीएनजी व पेट्रोल पर चलने वाले टू-व्हीलर को ज्यादा पसंद कर रहे है। धनतेरस के दिन वाहन खरीदना काफी शुभ माना जाता है। इसलिए इस बार ग्राहक धनतेरस व दीपावली के दिन इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर खरीदने के लिए शोरूम पर पहुंचेगे। इस बार धनतेरस व दीपावली पर बेहतर कारोबार होने की उम्मीद है।

शौक पूरा करने के लिए लोग खरीद रहे महंगे टू-व्हीलर : सरबजीत पुरी

सरबजीत पुरी का कहना है कि पेट्रोल के दाम काफी बढ़े होने के कारण लोग शौक पूरा करने के लिए महंगी इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाइक ही खरीद रहे है। हालांकि मार्केट में कई तरह की इलेक्ट्रिक वाहन मौजूद है, लेकिन अब लोग पेट्रोल दो पहिया पर चलने वाले इलेक्ट्रिक दो पहिया वाहनों को ज्यादा पसंद कर रहे है। यहां तक की लोग शौक पूरा करने के लिए महंगे इलेक्ट्रिक बाइक खरीद रहे हैं।

धनतेरस पर वाहन खरीदना काफी शुभ : तरुण वशिष्ठ

रीजनल मैनेजर काईनेटिक ग्रीन के तरुण वशिष्ठ ने बताया कि धनतेरस पर वाहन व अन्य सामान खरीदना काफी शुभ माना गया है, इसलिए हर साल लोग धनतेरस पर वाहनों की खरीदारी करते है। इस बार ग्राहक सीएनजी और पेट्रोल से दूरी बनाकर इलेक्ट्रिक वाहनों को ज्यादा खरीदने में दिलचस्पी दिखा रहे है।

महिंद्रा ने खोलीं तमिलनाडु में उन्नत एसयूवी सुरक्षा और बैटरी परीक्षण प्रयोगशालाएं

परिवहन विशेष न्यूज

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने तमिलनाडु के कांचीपुरम में दो नई परीक्षण सुविधाओं का उद्घाटन किया है, जो एसयूवी सुरक्षा और बैटरी तकनीक पर केंद्रित हैं। मुंबई स्थित ऑटोमोटिव कंपनी ने एक निष्क्रिय सुरक्षा प्रयोगशाला और एक बैटरी और सेल अनुसंधान प्रयोगशाला का अनावरण किया, जो 300 करोड़ से अधिक के निवेश का प्रतिनिधित्व करती है, जिसका उद्देश्य एसयूवी सुरक्षा मानकों को बढ़ाना और बैटरी सेल प्रौद्योगिकी अनुसंधान को आगे बढ़ाना है।

निष्क्रिय सुरक्षा प्रयोगशाला महिंद्रा की इंजीनियरिंग टीमों को विभिन्न लोड परिदृश्यों में महत्वपूर्ण सुरक्षा परीक्षण करने में सक्षम बनाती है, जिससे इसके एसयूवी के लिए मजबूत सुरक्षा मानक सुनिश्चित होते हैं। इसके अतिरिक्त, बैटरी और सेल अनुसंधान प्रयोगशाला एमएंडएम की अभिनव सेल प्रौद्योगिकियों के विकास का समर्थन करेगी, जो विकसित हो रहे इलेक्ट्रिक वाहन परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण घटक है। महिंद्रा की महिंद्रा रिसर्च वैली (एमआरवी) से 55 किलोमीटर की दूरी पर स्थित, इन सुविधाओं को महिंद्रा एसयूवी प्रोविंग ट्रैक (एमएसपीटी) के साथ काम करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जहाँ वाहनों को विभिन्न प्रकार के इलाकों और परिस्थितियों में परीक्षण से गुजरना पड़ता है।

एमएंडएम के ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी एवं उत्पाद विकास के अध्यक्ष वेलुसामी आर. ने सुरक्षा और स्थिरता के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया और कहा कि ये अत्याधुनिक सुविधाएं इंजीनियरों को ऐसे एसयूवी बनाने में सक्षम बनाती हैं जो महिंद्रा के उच्च सुरक्षा मानकों के अनुरूप हों।

नई प्रयोगशालाओं से महिंद्रा की एसयूवी के लिए विकास प्रक्रिया में तेजी आने की उम्मीद है, जिससे एमआरवी के करीब उन्नत शोध और परीक्षण की सुविधा मिलेगी, जहां सभी महिंद्रा एसयूवी को शुरू से ही तैयार किया जाता है। यह निवेश ऑटोमोटिव क्षेत्र में महिंद्रा की स्थिति को मजबूत करता है, जो सुरक्षा, नवाचार और टिकाऊ प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करता है क्योंकि यह राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों मानकों को पूरा करने के लिए काम करता है।

नई सुविधाएं ऑटोमोटिव सुरक्षा और टिकाऊ नवाचार में अग्रणी बने रहने की महिंद्रा की रणनीति का हिस्सा हैं, जो भारतीय बाजार में सुरक्षित, उच्च प्रदर्शन वाले वाहन देने के कंपनी के लक्ष्य का समर्थन करती हैं।

स्क्रिप्ट कैसे लिखें: एक संपूर्ण मार्गदर्शिका

विजय गर्ग

प्रत्येक पुरस्कार विजेता नाटक, अविश्वसनीय उपन्यास, या अवश्य देखी जाने वाली फिल्म एक ही तरह से शुरू होती है: एक खाली पृष्ठ के साथ। हालाँकि यह साफ़-सफ़ेद पृष्ठ प्रारंभ में कठिन लग सकता है, यह किसी जादुई चीज़ का कैनवास भी है, जो आपकी कल्पना के रंग की तरह इस पर फैलने का इंतज़ार कर रहा है। चाहे आप दिल दहला देने वाली थ्रिलर या हंसी-मजाक कर देने वाली कॉमेडी का सपना देख रहे हों, स्क्रिप्ट लिखना पात्रों को जीवन देना, ऐसी कहानियां बुनना है जो दर्शकों को बांधे रखती हैं, और यह जानना है कि कब नियमों को तोड़ना है और उनका पालन करना है। इस चरण-दर-चरण मार्गदर्शिका में, हम आपको एक वास्तविक पेशेवर की तरह पटकथा लेखन की कला को उजागर करते हुए, खाली पृष्ठ से शानदार पटकथा तक ले जाएंगे। स्क्रिप्ट क्या है? स्क्रिप्ट एक विस्तृत रूपरेखा होती है जिसमें संवाद, चरित्र क्रियाएं और दृश्य शामिल होते हैं और इसका उपयोग प्रदर्शन को निर्देशित करने के लिए किया जाता है। फिल्म, टेलीविजन, थिएटर और यहां तक कि वीडियो गेम जैसे मीडिया में स्क्रिप्ट महत्वपूर्ण हैं, जो कहानी कहने और उत्पादन की नींव के रूप में काम करती हैं। स्क्रिप्ट के प्रकार स्क्रिप्ट लिखने (या पटकथा, जैसा कि इसे भी कहा जाता है) में रचनात्मकता, कहानी कहने का कौशल और उद्योग-मानक प्रारूपण की कला शामिल होती है। स्क्रिप्ट के प्रकार के आधार पर, अंतिम मसौदा विभिन्न रूपों में होगा, प्रत्येक अद्वितीय संरचना, उद्देश्य और दर्शकों के साथ। आइए सबसे सामान्य प्रकार की स्क्रिप्ट और उनकी मुख्य विशेषताओं का पता लगाएं। पतली परत फिल्म की स्क्रिप्ट सिनेमा के वास्तुशिल्प ब्लूप्रिंट की तरह होती है, जिसमें एक फिल्म के निर्माण के लिए आवश्यक सभी जानकारी होती है। वे दृश्य शीर्षकों, एक्शन लाइनों, संवाद और बदलावों के साथ कार्रवाई का मार्गदर्शन करते हैं, जो सभी क्लासिक तीन-अभिनय संरचना में लिपटे हुए हैं। किसी स्क्रिप्ट का एक पेज आम तौर पर एक मिनट के स्क्रीन टाइम के बराबर होता है। टीवी टीवी स्क्रिप्ट दो प्राथमिक रूपों में आती हैं: एपिसोडिक (चल रही श्रृंखला के लिए) और स्टैंड-अलोन (विशेष जैसे एक बार की प्रस्तुतियों के लिए)। टीवी के लिए एक मास्टर कहानीकार होने के नाते दर्शकों को सप्ताह दर सप्ताह बांधे रखने के लिए सम्मोहक संवाद और गति बनाना शामिल है। टेलीप्ले भी कहा जाता है, आधे घंटे के शो के लिए टीवी स्क्रिप्ट लगभग 25-30 पेज की होती हैं, और घंटे भर के शो लगभग 50-60 पेज के होते हैं। थिएटर थिएटर स्क्रिप्ट नाटकों में उपयोग किए जाने वाले आवश्यक पाठ हैं। इनमें पात्रों के बीच संवाद और गतिविधियों तथा मंच व्यवस्था के निर्देश शामिल हैं। एक-अभिनय स्क्रिप्ट 10 पृष्ठों जितनी छोटी हो सकती है, जबकि पूर्ण-लंबाई वाली स्क्रिप्ट अक्सर उत्पादन की जटिलता के आधार पर 80 और 120 पृष्ठों के बीच होती है। एक विज्ञापन स्क्रिप्ट टीवी, रेडियो या सोशल मीडिया जैसे विभिन्न मीडिया प्लेटफार्मों के लिए विज्ञापनों या प्रचार सामग्री के निर्माण का मार्गदर्शन करती है। इसमें मुख्य संदेशों को शीघ्रता से संप्रेषित करने के लिए डिज़ाइन किए गए संवाद, वॉयसओवर और दृश्य संकेत शामिल हैं। ये लिपियाँ संक्षिप्त होती हैं, जिनमें 75 से लेकर 100 शब्द होते हैं। यूट्यूब वीडियो YouTube वीडियो स्क्रिप्ट एक वीडियो कथा के लिए एक स्पष्ट संरचना तैयार करती है, जिसमें जो कहा गया है, दिखाया गया है और जोर दिया गया है उसे कवर किया गया है। उनमें दर्शकों के जुड़ाव के लिए दृश्य विश्लेषण, वॉयसओवर और एक्शन कॉल शामिल हैं। अधिकांश YouTube वीडियो स्क्रिप्ट एक से पाँच पृष्ठों तक की होती हैं। अपना शोध करें अविश्वसनीय पटकथा लेखन का रहस्य? अपना शोध करें और जितना संभव हो उतनी बेहतरीन स्क्रिप्ट्स पर विचार करें। आप जिस शैली में लिख रहे हैं - कॉमेडी, रोमांस, हॉरर, या एक्शन - उसी शैली की स्क्रिप्ट पर ध्यान देना विशेष रूप से बुद्धिमानी है ताकि आप शैली और वाइब का अनुभव प्राप्त कर सकें। नाटक लिख रहे हैं? बस ₹50 सर्वश्रेष्ठ नाटक स्क्रिप्ट₹ खोजें और पढ़ना शुरू करें! सबसे अच्छी बात यह है कि कई स्क्रिप्ट मुफ़्त में ऑनलाइन उपलब्ध हैं, इसलिए आप बिना एक पैसा खर्च किए इन्हें लोड कर सकते हैं। अपने कथा लेखन को बेहतर बनाने का एक और उत्कृष्ट तरीका हैविभिन्न पटकथा लेखन पुस्तकें पढ़ें। डेविड ट्रॉटियर की शुरुआती-अनुकूल द स्क्रीनराइटर्स बाइबल से लेकर ब्लेक स्नाइडर की उद्योग-पसंदीदा सेव द कैट तक, इस प्रक्रिया में आपको अधिक आत्मविश्वास महसूस कराने के लिए अनगिनत किताबें हैं। और, निःसंदेह, कुछ टीवी, फिल्में और नाटक जो आपसे सबसे ज्यादा बात करते हैं, उन्हें दोबारा देखने और दोबारा देखने से कभी नुकसान नहीं होता। अपने देखने के दौरान, उन चीज़ों पर चर्चा करें जो कहानी को प्रभावित करती हैं - कथानक में उतार-चढ़ाव, चरित्र परिवर्तन, वे अविस्मरणीय पंक्तियाँ! इन विशेषज्ञ उदाहरणों से लैस, आप उस खाली पृष्ठ से निपटने के लिए तैयार होंगे। पटकथा लेखन प्रक्रिया आपने अपनी पटकथा लेखन की बुनियादी बातें सीख ली हैं, लेकिन असली काम अब शुरू होता है! चाहे आप पात्रों को निखार रहे हों या उस अविस्मरणीय तृतीय-अभिनय मोड़ को गढ़ रहे हों, यह आपकी कहानी को आकार लेने का समय है। यहां स्क्रिप्ट लेखन प्रक्रिया के बारे में बताया गया है। 1 विचार उत्पन्न करें पटकथा लेखन प्रक्रिया में सबसे पहला कदम विचार उत्पन्न करना है। प्रेरणा कहीं से भी आ सकती है, इसलिए अपने आस-पास की दुनिया पर बारीकी से ध्यान दें, जब विचार सामने आएं तो उन्हें लिख लें और दिमाग खुला रखें। एक बार जब आपके पास कुछ विचार पनपने लगें, तो सबसे मजबूत विचार को एक अवधारणा में विकसित करें। इसका अर्थ है उस कच्चे विचार को अधिक परिष्कृत दृष्टि में आकार देना: आपके पात्र कौन हैं? केंद्रीय संघर्ष क्या है? यह कहानी किस शैली में फिट होगी? आपकी अवधारणा आपकी स्क्रिप्ट की रीढ़ है, इसलिए इसे किसी ऐसी चीज़ में ढालने के लिए समय लें जो आपको उत्साहित करे। यह इस स्तर पर एक बड़े विषय या संदेश को प्रस्तुत करने में भी मदद करता है, जिससे दर्शकों को कुछ सार्थक मिलता है। 2 पात्र बनाएं महान स्क्रिप्ट के लिए महान पात्रों की आवश्यकता होती है। आकर्षक किरदार बनाने से आपकी कहानी आगे बढ़ेगी, दर्शकों को बांधे रखा जा सकेगा और आपकी कहानी जीवंत हो जाएगी। ये वे लोग हैं जिनके लिए आपके दर्शक जड़ होंगे, प्यार करेंगे, या नफरत करना पसंद करेंगे - जिसका अर्थ है कि उन्हें स्पष्ट प्रेरणा, वास्तविक जीवन के लक्षण और खामियां चाहिए जो उन्हें भरोसेमंद बनाती हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि वे बहुआयामी हैं, प्रत्येक के लिए चरित्र प्रोफ़ाइल विकसित करना उपयोगी हो सकता है। विचार करें कि आपके पात्र शुरू से अंत तक कैसे बदलेंगे, और उस परिवर्तन को अपनी स्क्रिप्ट को आकार देने दें। 3 कथानक का निर्माण करें आपका कथानक वह रोडमैप है जो शुरुआती हुक से लेकर अंतिम दृश्य तक कहानी का मार्गदर्शन करता है। संवाद में उतरने से पहले, अपनी कहानी के प्रमुख अंशों का खाका खींच लें। यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपकी कथा सुचारू रूप से प्रवाहित हो, प्रमुख क्षणों-परिचय, संघर्ष, चरमोत्कर्ष और समाधान-को रेखांकित करें। इन प्रमुख दृश्यों की एक ठोस रूपरेखा आपको कथानक को चुस्त और शुरू से अंत तक आकर्षक बनाए रखने में मार्गदर्शन करेगी। याद रखें: प्रत्येक व्यक्तिगत दृश्य को कहानी को आगे बढ़ाना चाहिए। 4 संवाद लिखें अगला काम आपके पात्रों के बीच संवाद पर काम करना है। संवाद सिर्फ बातचीत से कहीं अधिक है - यह एक शक्तिशाली उपकरण है जो व्यक्तित्वों को प्रकट करता है, कथानक को आगे बढ़ाता है, और बिना किसी दबाव के अभिव्यक्ति प्रदान करता है। अत्यधिक लंबे या कठोर आदान-प्रदान से बचें; आपके पात्रों को वैसे ही बात करनी चाहिए जैसे लोग वास्तविक जीवन में बात करते हैं। एक बार जब आप संवाद लिख लें, तो यह देखने के लिए इसे ज़ोर से पढ़ें कि यह कैसा लगता है। यदि यह अजीब या कठोर लगता है, तो यह मंच पर या स्क्रीन पर भी वैसा ही दिखेगा। कभी-कभी जो अनकहा रह जाता है या जिस ओर संकेत किया जाता है वह उतना ही प्रभावशाली हो सकता है जितना बोला गया हो। पात्रों को अपने आदान-प्रदान में परतें जोड़ने के लिए जानकारी से असहमत होने, बीच में आने या उसे रोकने दें। 5 अपने ड्राफ्ट लिखें इस सारी तैयारी के बाद, आखिरकार आपके रचनात्मक लेखन को पृष्ठ पर लाने का समय आ गया है! अपने पहले ड्राफ्ट में पूर्णता के बारे में चिंता न करें; स्व-संपादन केवल आपको धीमा कर देगा। एक बार जब वह पहला ड्राफ्ट पूरा हो जाए, तो अपना ध्यान पुनरीक्षण पर केंद्रित करें। विश्वसनीय मित्रों और पाठकों से समीक्षा करने के लिए कहेंऔर अपनी स्क्रिप्ट को मजबूत करने के लिए उनकी अंतर्दृष्टि का उपयोग करें। संशोधन के प्रत्येक दौर के साथ, आपकी पटकथा अधिक पैनी और अधिक केंद्रित होती जाएगी। अपनी स्क्रिप्ट को कैसे फ़ॉर्मेट करें जब आपकी स्क्रिप्ट को फ़ॉर्मेट करने की बात आती है, तो इसे पेशेवर बनाने के लिए आपको कुछ उद्योग मानकों का पालन करना होगा। पटकथाएँ आम तौर पर 12-पॉइंट कूरियर फ़ॉन्ट का उपयोग करती हैं, जिससे एकरूपता सुनिश्चित होती है और प्रत्येक पृष्ठ का समय लगभग एक मिनट के स्क्रीन समय के बराबर हो जाता है। मार्जिन भी विशिष्ट हैं, बाइंडिंग को समायोजित करने के लिए बायां मार्जिन 1.5 इंच पर सेट है, जबकि दायां मार्जिन 1 इंच है। ऊपर और नीचे का मार्जिन भी 1 इंच होना चाहिए। उचित रिक्ति महत्वपूर्ण है, संवाद और क्रिया विवरण आम तौर पर एकल-स्थान पर होते हैं, जबकि दृश्य शीर्षकों और क्रिया विवरण या चरित्र परिचय के बीच दोहरा स्थान होता है। दृश्य शीर्षक, जिन्हें स्लगलाइन के रूप में भी जाना जाता है, प्रत्येक दृश्य का स्थान और समय निर्धारित करते हैं और सभी बड़े अक्षरों में लिखे जाने चाहिए। इन्हें आम तौर पर ₹INT₹ के रूप में स्वरूपित किया जाता है। या ₹EXT ।₹ यह इंगित करने के लिए कि दृश्य घर के अंदर है या बाहर, स्थान और दिन के समय के बाद। आगे आने वाले क्रिया विवरण संक्षिप्त होने चाहिए, वर्तमान काल में लिखे जाने चाहिए और केवल वही वर्णन करना चाहिए जो स्क्रीन पर देखा या सुना जा सकता है। ऐसे कई उपकरण हैं जिनका उपयोग आप फ़ॉर्मेटिंग में सहायता के लिए कर सकते हैं। फ़ाइनल ड्राफ्ट, सेल्टक्स और राइटरडुएट जैसे लोकप्रिय पटकथा लेखन सॉफ़्टवेयर आपके लिखते समय स्वचालित रूप से उचित फ़ॉर्मेटिंग लागू करते हैं, जिससे आपका समय बचता है और यह सुनिश्चित होता है कि आपकी स्क्रिप्ट उद्योग मानकों के अनुरूप है। चाहे आप मैन्युअल मार्ग अपनाएँ या सॉफ़्टवेयर का उपयोग करें, अपनी पटकथा को बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने के लिए उचित स्क्रिप्ट फ़ॉर्मेटिंग में महारत हासिल करना महत्वपूर्ण है। स्क्रिप्ट लेखन की सामान्य गलतियाँ और उनसे कैसे बचें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने कितनी पटकथाएँ लिखी हैं, कोई भी पटकथा दोषरहित नहीं है। लेकिन अच्छी खबर? एक बार जब आप जान जाते हैं कि क्या देखना है तो हर लेखक द्वारा की जाने वाली सामान्य गलतियाँ से बचना आसान हो जाता है। यहां पटकथा लेखन से जुड़ी शीर्ष समस्याएं हैं: गलती: बहुत ज़्यादा संवाद समाधान: कार्यों को शब्दों से ज़्यादा ज़ोर से बोलने दें। संवाद को धारदार और उद्देश्यपूर्ण रखें, और चीज़ों को मिलाने के लिए दृश्यों और इशारों का उपयोग करें। गलती: ख़राब चरित्र विकास समाधान: सुनिश्चित करें कि आपके पात्रों के उद्देश्य और लक्ष्य हैं ताकि कहानी आगे बढ़े। विषयवस्तु पात्रों से अधिक मजबूत नहीं होनी चाहिए। उनकी पिछली कहानियों को पूरी तरह से विकसित करने के लिए उन्हें भरोसेमंद, वास्तविक और मानवीय महसूस कराना आवश्यक है। गलती: ख़राब गति समाधान: तेज़ और धीमे क्षणों को संतुलित करके कहानी को आगे बढ़ाते रहें, यह सुनिश्चित करते हुए कि प्रत्येक दृश्य कथानक को बहुत अधिक समय तक खींचे बिना आगे बढ़ाता है। निष्कर्ष स्क्रिप्ट लिखना कठिन लग सकता है, लेकिन सही उपकरणों और तकनीकों के साथ कोई भी एक मनोरम कहानी बना सकता है। अपने कथानक की संरचना करने से लेकर पात्रों को विकसित करने और उद्योग-मानक स्वरूपण को बेहतर बनाने तक, कुंजी दृढ़ता और रचनात्मकता है। सामान्य गलतियों से न उलझें- उनसे सीखें और सुधार करते रहें। इस गाइड के साथ, आपके पास एक खाली पृष्ठ से एक परिष्कृत पटकथा तक जाने के लिए आवश्यक सभी उपकरण और लेखन युक्तियाँ हैं। इसलिए एक गहरी सांस लें, अपनी कहानी कहने की प्रवृत्ति पर भरोसा करें और लिखना शुरू करें। आपका अगला बड़ा विचार वह हो सकता है जो स्क्रीन को रोशन कर दे!

संपादक की कलम से

लापरवाही से बढ़ते दिल के जोखिम

भारत में हृदय रोग जन स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन गया है और इस रोग के कारण मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। विशेषज्ञ मानते हैं कि बढ़ते शहरीकरण, सुस्त जीवन शैली, गलत खानपान, शारीरिक श्रम के अभाव और तनाव के कारण हृदय रोग के मामले बढ़ रहे हैं। दो दशक में हृदय रोगों के मामले काफी बढ़े हैं। हाल के वर्षों में युवाओं में इसका असर बढ़ा है। विवाह समारोहों में नाचते-गाते युवाओं की अचानक मौत हर किसी को चिंता में डाल रही है। हाल में जारी एक रपट में भी जो तथ्य सामने आए हैं, उससे हमारे देश में हृदय रोग की गंभीरता का पता चलता है। 'एवरी बीट काउंट्स' अर्थात 'प्रत्येक धड़कन मायने रखती है' नामक इस रपट के मुताबिक दिल का दौरा पड़ने से दुनिया में जितने लोग मरते हैं, उनमें से बीस फीसद मौत अकेले भारत में होती है। भारत में हृदय रोगों से मृत्यु दर काफी ज्यादा है। हमारे देश के ग्रामीण इलाकों के मुकाबले शहरों में मृत्यु दर अधिक है। । ग्रामीण क्षेत्रों में में हृदय रोग से हर एक लाख में से दो सौ लोग मर जाते हैं, जबकि शहरों में हर एक लाख लोगों में से 450 की मौत होती है। । रपट में यह भी बताया गया है कि भारत में होने वाली कुल मौत में 24.5 फीसद मृत्यु हृदय संबंधी बीमारियों की वजह से होती है। बंगाल और पंजाब में तो स्थिति और गंभीर है। इन राज्यों में हृदय रोगों के कारण 35 फीसद से ज्यादा लोगों को जिंदगी गंवानी पड़ रही है। देश में हृदय रोग की गंभीरता को दर्शाने वाली इस रपट से पहले भी ऐसे शोध और अध्ययन सामने आ चुके हैं, जिनसे दिल पर बढ़ रहे संकट के बारे में पता चलता है। इसी साल अगस्त में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) और दिल्ली एम्स के साझा चिकित्सा अध्ययन में भी हृदय रोग के बढ़ते खतरे के बारे में बताया गया है। इसमें बताया गया है कि आगामी दस वर्षों यानी 2034 तक देश की पंद्रह फीसद आबादी को हृदय रोगों का जोखिम है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और हृदय रोग को लेकर शोध एवं अनुसंधान करने वाले दुनिया के बड़े संस्थान हृदय रोग के बारे में समय-समय पर रपट जारी करते रहते हैं। ऐसी रपटें जन साधारण को हृदय रोगों के प्रति सजग करने के लिए होती हैं। पिछले साल 'वर्ल्ड हार्ट फेडरेशन' की एक रपट में बताया गया था कि हृदय रोग विश्व में होने वाली मौत का प्रमुख कारण है। इस रोग से विश्व में वर्ष 1990 में जहां 1.21 करोड़ लोगों की मौत हुई, वहीं यह आंकड़ा 2021 में चढ कर 2.05 करोड़ हो गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भी दिल से जुड़ी बीमारियों को मौत का सबसे बड़ा कारण बताया गया है। इस रपट के अनुसार वर्ष 2019 में विश्व में 1.79 करोड़ लोगों की मौत हृदय संबंधी बीमारियों की वजह से हुई। यह गंभीर बात है कि एक जमाने में हृदय रोग बुजुर्गों में ही पाया जाता था, लेकिन अब यह युवाओं और बच्चों तक को अपना ग्रास बना रहा है। 30 से 40 वर्ष के लोगों में हृदय रोग का जोखिम तेजी से बढ़ रहा है।

विशेषज्ञ खराब खानपान, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू सेवन और ज्यादा शराब पीने को हृदय रोग और दौरे के सबसे व्यावहारिक जोखिम मानते हैं इसके लक्षण बढ़े हुए रक्तचाप, बढ़े हुए रक्त ग्लूकोज और अधिक वजन तथा मोटापे के रूप में नजर आ सकते हैं। चिकित्सकों का कहना है कि इन जोखिम कारकों को प्राथमिक देखभाल सुविधाओं में मापा जा सकता है और इनसे दिल के दौरे और अन्य जटिलताओं के बढ़ते जोखिम का संकेत मिलता है। चिकित्सकों का कहना है कि तंबाकू का सेवन बंद करने, आहार में नमक कम करने, अधिक फल एवं सब्जियां खाने, नियमित शारीरिक गतिविधि और शराब से बचने से हृदय रोग के जोखिम को कम किया जा सकता है, लेकिन लोग इस मामले में लापरवाह दिखाई पड़ते हैं। लोगों में जहां शराब पीने की लत बढ़ रही है, वहीं आरामतलब जिंदगी के प्रति रुझान भी बढ़ता रहा है। यही समस्या की जड़ है।

चिकित्सक बताते हैं कि हृदय संबंधी जोखिम कम करने और दिल के दौरे रोकने के लिए उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हाई कोलेस्ट्रोल का उपचार जरूरी होता है, लेकिन इसके प्रति ज्यादातर लोग लापरवाह ही नजर आते हैं। यहां तक कि अक्सर लोग सीने में दर्द या बेचैनी, बाएं कंधे, कोहनी, जबड़े या पीठ में दर्द, सांस लेने में तकलीफ, उल्टी, चक्कर आने या बेहोशी और पसीना आने जैसे सामान्य लक्षणों को भी नजरअंदाज कर देते हैं। उच्च रक्तचाप या हाइपरटेंशन भी हृदय रोग की वजह हो सकता है, लेकिन हैरानी है कि लोग इसके प्रति भी जागरूक नहीं हैं।

राय

करियर में सफलता की नींव है इंटर्नशिप

किसी सफल प्रोफेशनल करियर की नींव तैयार करने में बेहतर अकादमिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ इंटर्नशिप की भी भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इससे आपकी न केवल करियर ग्रोथ बेहतर होती है, बल्कि आपका रेज्यूमे भी आकर्षक बनता है, जो कारपोरेट दुनिया में प्रवेश के लिए बहुत ही

आवश्यक है। किसी प्रोफेशनल कोर्स को पूरा करने के बाद जब आप इंटर्नशिप करते हैं तो इससे आपको वास्तविक दुनिया का अनुभव प्राप्त होता है। साथ ही कौशल को निखारने और नेटवर्किंग का मौका भी मिलता है, जो आपके बेहतर भविष्य की नींव तैयार करता है।

नई स्किल सीखने का मौका: पढ़ाई के बाद स्किल को निखारने के लिए इंटर्नशिप से बेहतर मौका और कुछ हो ही नहीं सकता। यह सही है कि अच्छे करियर के लिए आपकी डिग्री और ग्रेड बहुत मायने रखता है, पर इंटर्नशिप करके जब आप किसी प्रोफेशनल करियर में प्रवेश करते हैं तो मान लिया जाता है कि आप एक पेशेवर के तौर पर परफेक्ट हैं, क्योंकि इंटर्नशिप के दौरान आप टेक्निकल ज्ञान और कौशल ही नहीं सीखते, बल्कि यहां टीम के रूप में काम करने का अवसर भी प्राप्त होता है। नेटवर्किंग का लाभ: कारपोरेट जगत में सफलता का सबसे पुख्ता फार्मूला है- स्किल और नेटवर्किंग। जब आप इंटर्न होते हैं तो इंडस्ट्री के टाप प्रोफेशनल्स से मिलने और उनके साथ काम करने का मौका मिलता है। उनके साथ काम करके ऐसी बहुत सी चीजें सीख सकते हैं, जो भविष्य में काम आने वाला है।

ज्यू को मिलती है मजबूती: इंटर्नशिप अनुभव आपके स्किल्ड होने का एक शुरुआती साक्ष्य होता है, इसलिए कहा जाता है कि अपने रेज्यूमे में इसकी जानकारी को अच्छी तरह से दर्ज करना चाहिए। करियर लक्ष्यों को लेकर स्पष्टता: कामकाजी अनुभव प्राप्त करने के दौरान आप यह तय करने की स्थिति में होते हैं कि इंडस्ट्री में किस भूमिका के लिए आप सबसे उपयुक्त होंगे और फिर उसी आधार पर अपना करियर लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। इसके लिए आप वरिष्ठों से मार्गदर्शन और सुझाव भी प्राप्त कर सकते हैं। कार्य संस्कृति सीखने का मौका: जब इंटर्नशिप करके निकलते हैं तो आपके आत्मविश्वास का स्तर काफी ऊंचा हो जाता है। किसी प्रोजेक्ट को पूरा करने, तनाव और चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना करते हुए प्रबंधन के कई गुर सीख जाते हैं। इससे किसी इंटरव्यू और प्रोफेशनल इंटरैक्शन में आपको बहुत फायदा मिलता है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: परिवर्तनकारी शिक्षा का एक खाका

विजय गर्ग

जबकि एनईपी समग्र शिक्षा और लचीले मूल्यांकन के माध्यम से आमूलचूल परिवर्तन का वादा करता है, कार्यान्वयन चुनौतियां इसकी प्रगति में बाधा बनी हुई हैं एनईपी 2020 की स्थापना पहुंच, समानता, गुणवत्ता, सामर्थ्य और जवाबदेही के मार्गदर्शक सिद्धांतों पर की गई थी। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को वर्तमान और भविष्य की विविध राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना था। नीति का उद्देश्य एक बहु-विषयक, समग्र स्नातक पाठ्यक्रम का नेतृत्व करना, विषयों के संयोजन के व्यापक विकल्प बनाना, नियमित विषयों के साथ व्यावसायिक शिक्षा का एकीकरण और विभिन्न चरणों में नियमित उचित प्रमाणीकरण के साथ बहु-प्रवेश और बहु-निकास बिंदु बनाना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी बच्चा जन्म, अर्थव्यवस्था और/या पृष्ठभूमि की परिस्थितियों के कारण सीखने और उत्कृष्टता प्राप्त करने का कोई अवसर न खोए। इससे अंततः परिवर्तनकारी परिवर्तन होने चाहिए जो हमारे देश में शिक्षा की जीवनरेखा को बदल देंगे। समग्र शिक्षा, प्रारंभिक बचपन देखभाल, लचीले मूल्यांकन, कौशल विकास, प्रौद्योगिकी के एकीकरण, शिक्षक प्रशिक्षण और उच्च शिक्षा सुधारों पर जोर दिया जाएगा। इनका उद्देश्य भविष्य के लिए तैयार प्रणाली के लिए शिक्षार्थी-केंद्रित और समावेशी शिक्षा को डिजाइन करना है: इन्हें अपनाकर भारत 21वीं सदी में आगे बढ़ने के लिए सभी को आवश्यक कौशल और ज्ञान के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य ₹न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा₹ प्रदान करना है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी बच्चा अपनी सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित न रहे और 2030 तक 100 प्रतिशत जीईआर तक पहुंच जाए। ऐसा लग रहा था कि यह हमारे देश की शिक्षा प्रणाली में एक वास्तविक गेम चेंजर साबित होने जा रहा है, लेकिन वास्तविकता यह है कि इसकी मंजूरी के तीन साल बाद भी यह आगे नहीं बढ़ पाया है। इसका प्रमुख कारण यह है कि बहुसंख्यक लोग इस अत्यंत सार्थक नीति की भावना को नहीं समझते हैं। यदि इसे अक्षरशः क्रियान्वित किया जाए तो हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में विश्व के सर्वश्रेष्ठ देशों में से एक होगा। एक गहन विश्लेषण और आगे क्या होने वाला है इसकी खोज करना; इस संपूर्ण एनईपी-2020 को चार मुख्य कैप्सूलों में विभाजित किया जा सकता है, जिनकी यह नीति परिकल्पना करती है: मातृभाषा या बोली जाने वाली भाषा में पढ़ाना, छोड़ना सीखें, बदलना सिखाएं और सशक्त बनाने के लिए शिक्षा दें। ये हाइलाइट किए गए कैप्सूल पूरी तरह से संपूर्ण एनईपी-2020 का सार प्रस्तुत करेंगे, जिसे अब तक किसी ने भी उचित और पूरी तरह से प्रस्तुत नहीं किया है। इनमें से प्रत्येक का विस्तार से सभी बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा: बोलचाल की भाषा में शिक्षण: इसके महत्व को कम करके नहीं आंका जा सकता। मौलिक सोच केवल मातृभाषा (बोली जाने वाली भाषाओं) में ही आती है और यह लाभ हमारी पिछली किसी भी नीति में हमारे छात्रों को नहीं दिया गया है। अंग्रेजी पर हमेशा से ही जरूरत से ज्यादा जोर दिया जाता रहा है और एक गलत धारणा बना दी गई है कि अंग्रेजी ज्ञान है, जबकि सच तो यह है कि यह सिर्फ एक भाषा है, ज्ञान नहीं। किसी भाषा को जानने से हमेशा ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है। हमारे शुरुआती लोग हमेशा अपने तरीके से किसी अवधारणा की समझ विकसित करने के बजाय अंग्रेजी सीखने के बारे में चिंतित रहते हैं, इसलिए अधिकांश छात्र मूल सोच पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय अंग्रेजी भाषा सीखने में खो जाते हैं। एनईपी के तहत इसे उचित महत्व दिया गया है। एक छात्र को इस बात की समझ विकसित करनी होगी कि उच्च कक्षाओं में उसे कौन से विषय सीखने चाहिए और अंततः क्या सीखना चाहिए, जो कि अभी तक नहीं हुआ है ।अभी तक। उन पर एक कोर्स थोप दिया जाता था. इसमें इस अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू को बहुत ही उचित ढंग से संबोधित किया गया है। छोड़ना सीखें: माध्यमिक और उच्च शिक्षा के लिए कौन सा पाठ्यक्रम लेना है, यह तय करने के बाद, एक छात्र हमेशा के लिए फंस जाता था कि उसे विषय/पाठ्यक्रम पसंद है या नहीं। (पुरानी शिक्षा प्रणाली में, उदाहरण के लिए यदि किसी ने भौतिकी या संस्कृत का विकल्प चुना था: वह हमेशा के लिए इस बात से चकित हो जाता था कि उसे ये विषय पसंद हैं या नहीं) जब तक कोई उच्च शिक्षा नहीं छोड़ देता या नए सिरे से शुरुआत नहीं करता, तब तक बाहर जाने का कोई रास्ता नहीं था। दूसरी कठिनाई यह थी कि कुछ विषम परिस्थितियों के कारण यदि किसी को शिक्षा बंद करनी पड़ती थी तो वर्षों/समय बर्बाद होने तक फिर से शुरू करने का कोई रास्ता नहीं था, लेकिन इसमें कोई भी कभी भी छोड़ सकता था या किसी भी समय पुनः शामिल हो सकता था (मल्टी एंट्री / मल्टी एग्जिट सिस्टम के अंतर्गत आता है)). वर्तमान प्रणाली में यदि कोई कुछ वर्षों तक दूर रहता है तो वह वांछित विषयों में शिक्षा में वापस नहीं आ सकता है, लेकिन एनईपी-2020 के तहत कोई भी जाने से पहले अर्जित क्रेडिट को शामिल करके किसी भी समय अपनी शिक्षा फिर से शुरू कर सकता है। इसलिए, वर्तमान एनईपी के तहत,

परिस्थितियों के कारण किसी को भी शिक्षा से दूर नहीं रखा जाएगा या शिक्षा से वंचित नहीं किया जाएगा। पुरानी व्यवस्था में ऐसा नहीं था. सशक्त बनाने के लिए शिक्षा: इसके अंतर्गत शिक्षा का उद्देश्य सही प्रकार का कौशल विकसित करके समाज को उचित लाभ देना है।

उदाहरण के लिए, एक इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर बुनियादी विद्युत मरम्मत भी करने में सक्षम नहीं है या एक मैकेनिकल इंजीनियर बुनियादी खराबी को भी ठीक करने की स्थिति में नहीं है। रोजगार के लिए व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए नियमित पाठ्यक्रमों के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों का एकीकरण, विविध शैक्षणिक रुचि वाले या पारंपरिक मार्गों तक सीमित पहुंच वाले छात्रों को लाभ पहुंचाना या उन्हें एक-दूसरे से जोड़ना वर्तमान प्रणाली की कुछ विशेषताएं हैं। इसका उद्देश्य असमानताओं को कम करने के लिए सही पाठ्यक्रम विकसित करना है। इसमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक समान पहुंच पर जोर दिया गया है। अनिवार्य रूप से एनईपी 2020 कौशल-आधारित शिक्षा की व्यापक समझ के लिए अवांछित पाठ्यक्रम को कम करने का प्रयास करेगा। परिवर्तन के लिए सिखाएं: पुरानी व्यवस्था में शिक्षण कोई विशेष नहीं था। व्यक्ति समाज के लिए उपयोगी होने के अपने प्रयासों से सही कौशल प्राप्त करता है। इसके तहत, नौकरी प्लेसमेंट के लिए बाल-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों और शैक्षिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित करना आवश्यक होगा, जो एक महत्वपूर्ण विशेषता होगी जिसका अभी तक काफी हद तक अभाव है। चुनौतियाँ: इसकी सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक उन विषयों की व्यापक पसंद है जिन्हें कोई भी ले सकता है। यदि किसी छात्र की गतिविधि और लिए गए विषयों का रिकॉर्ड रखने का कोई तरीका हो तो अब विषयों का यह व्यापक स्पेक्ट्रम छात्रों द्वारा लिया जाना संभव होगा। हमारे जैसे देश में जहां 39 हजार से अधिक कॉलेज, लगभग 1000 विश्वविद्यालय और 4.33 करोड़ छात्र हैं (लगभग 80 प्रतिशत स्नातक में हैं और शेष 20 प्रतिशत स्नातकोत्तर कक्षाओं से हैं), इसका रिकॉर्ड बनाए रखना असंभव होगा। इस प्रकार, जब तक कि कम्प्यूटरीकृत बैंकिंग व्यवस्था के समान कोई तंत्र न हो जो सभी प्रकार के रिकॉर्ड को त्रुटिहीन रूप से बनाए रखता हो। इसके लिए एक अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट का प्रस्ताव किया गया है, जहां प्रत्येक संस्थान को पंजीकृत किया जाएगा ताकि छात्रों की इन गतिविधियों, लिए गए विषयों और अर्जित क्रेडिट का रिकॉर्ड उसी तरह रखा जा सके जैसे बैंकिंग में किया जाता है। अब तक की सबसे बड़ी खामी: दुर्भाग्य से, आज तक, 50 प्रतिशत संस्थानों ने भी इसमें (एबीसी में) अपना पंजीकरण नहीं कराया है, जो इस नीति की सफलता की असली कुंजी है। यह छात्रों के विषयों, उनकी गतिविधियों और अर्जित क्रेडिट का रिकॉर्ड रखने का एक तरीका है। शरीनसंसाधनों का जी: एनईपी के तहत विषय की पसंद, प्रारंभिक शिक्षा का रिकॉर्ड, एक संस्थान से दूसरे संस्थान में आंदोलन और एक छात्र द्वारा स्वीकृत/अर्जित क्रेडिट की एक विस्तृत छतरी केवल तभी संभव होगी जब संसाधन विभिन्न संस्थानों द्वारा साझा किए जाते हैं। किसी भी विशेष कॉलेज के लिए सभी विषयों की पेशकश करना और विभिन्न पाठ्यक्रमों में शिक्षण प्रदान करना असंभव होगा जब तक कि ऐसा करने के लिए एक बड़ा स्टाफ न हो। यह सब हासिल करना मानवीय रूप से असंभव होगा जब तक कि साझा न किया जाए, खासकर तब जब ऑनलाइन शिक्षण अब हमारे विश्वविद्यालय प्रणाली में बड़े पैमाने पर आ गया है। इसी प्रकार, एनईपी 2020 के लक्ष्यों के अनुसार शिक्षा को वास्तव में समावेशी बनाने के लिए विज्ञान प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों अनुसंधान सुविधाओं के साथ-साथ उद्यमिता योजनाओं के संसाधनों को बहुत प्रभावी ढंग से साझा किया जा सकता है। इसलिए, निष्कर्ष में, यह नीति सफल होगी यदि: प्रत्येक संस्थान इसके साथ पंजीकृत हो एबीसी (एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट) शिक्षण जैसे सभी क्षेत्रों में, विशेष रूप से ऑनलाइन मोड, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं और वाद्य सुविधाओं में संसाधनों का साझाकरण बड़े पैमाने पर शुरू होता है; बिना किसी शर्त के सभी के लिए खुली स्कूली शिक्षा प्रणाली और एबीसी आदि के पंजीकरण की निगरानी के लिए तुरंत भारतीय उच्च शिक्षा आयोग की स्थापना। यह तब तक बड़ी सफलता नहीं होगी जब तक कि एमओई, यूजीसी आदि जैसी सभी एजेंसियां आमूल-चूल परिवर्तन लाने के लिए ठोस प्रयास नहीं करतीं।.

डिजिटल पेमेंट फ्रॉड पर लगेगी लगाम! सरकार ने जारी की एडवाइजरी

परिवहन विशेष न्यूज

फेस्टिव सीजन में जहां भारी छूट और सेल का लाभ उठाने के लिए लोग ऑनलाइन शॉपिंग करते हैं तो वहीं दूसरी तरफ कई लोग इसकी आड़ में डिजिटल फ्रॉड करते हैं। आज मार्केट में कई तरह के डिजिटल पेमेंट फ्रॉड हो रहे हैं। इस फ्रॉड से बचने के लिए NPCI ने एडवाइजरी जारी की है। पढ़ें पूरी खबर...

नई दिल्ली। फेस्टिव सीजन का आगाज हो गया है। ऐसे में कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर सेल और डिस्काउंट शुरू हो गया है। इस डिस्काउंट और सेल का लाभ उठाकर लोग धड़ाधड़ ऑनलाइन शॉपिंग कर रहे हैं। इन ऑनलाइन शॉपिंग के बीच कई फर्जी प्लेटफॉर्म लोगों के साथ फ्रॉड कर रहे हैं।

इस तरह के डिजिटल फ्रॉड (Digital Fraud) से बचने के लिए अब सरकार के भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम (CERT-In) और भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (NPCI) ने एडवाइजरी जारी की है। इस एडवाइजरी में सरकार ने लोगों को बताया कि वह कैसे डिजिटल पेमेंट फ्रॉड से बच सकते हैं और मार्केट में किस तरह के फ्रॉड हो रहे हैं।

एनपीसीआई और CERT-In द्वारा जारी एडवाइजरी में कई ऑनलाइन स्कैम के साथ उससे बचने के टिप्स भी बताएं गए हैं।

इस तरह के हो रहे स्कैम

फिशिंग स्कैम

जालसाज फेक ई-मेल ईआईडी और मैसेज के जरिये लोगों के यूजरआईडी, पासवर्ड और पर्सनल डिटेल्स हैक करते हैं। इन सभी जानकारी को हैक करने के बाद वह इसका गलत इस्तेमाल करते हैं।

लॉटरी और प्राइज स्कैम

मार्केट में लॉटरी और प्राइज का लालच देकर लोगों के साथ धोखाधड़ी किया जा रहा है। इस तरह के ठग में लोगों को कहा जाता है कि वह जब एक फिक्सड अमाउंट का निवेश करेंगे तो उन्हें लाखों रुपये की कीनत का गिफ्ट मिलेगा।

मैन्यूपूलशन स्कैम

जालसाज फेक डेटिंग प्रोफाइल बनकर भी ठग करते हैं। इसमें वह सामने वाले तो इमोशन और मैन्यूपूलेट करके उनसे पैसे ठगते हैं।

जॉब स्कैम

कई ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फेक जॉब का लालच देकर भी ठग करते हैं। इसमें वह फेक जॉब पोस्ट करते हैं और लोगों को झांसा देते हैं कि वह एक फिक्सड अमाउंट जमा करवाते हैं तो उन्हें अच्छी जगह पर जॉब मिल जाएगी।

टेक सपोर्ट स्कैम

स्कैमर्स कई बार डिवाइस को ठीक करने का क्लेम करके यूजर का डेटा चोरी करते हैं या फिर सर्विस शुल्क के नाम पर रिमोट एक्सेस पाते हैं और बाद में डेटा का गलत इस्तेमाल करके चोरी करते हैं।

इनवेस्टमेंट स्कैम

शानदार रिटर्न और फाइनेंशियली तौर पर लाभ देना का झांसा देकर भी आज के समय में स्कैम हो रहे हैं। इस स्कैम में लोगों को किसी स्टॉक खरीदने की सलाह दी जाती है।

कैश ऑन डिलीवरी स्कैम

कई फेक ऑनलाइन स्टोर गलत सामान डिलीवर करके भी लोगों को लूटते हैं। इस तरह के फ्रॉड में वह कैश ऑन डिलीवरी का झांसा देते हैं पर बाद में लोगों से पैसे लेकर उन्हें गलत सामान दे देते हैं।

मनी ट्रांसफर स्कैम

जालसाज कई बार क्लेम करते हैं कि उन्होंने पैसे ट्रांसफर किये हैं और रिटर्न करने की मांग करते हैं जो कि गलत होता है। इस तरह के स्कैम से बचना बेहद जरूरी है।

डिजिटल अरेस्ट

आज के समय में डिजिटल अरेस्ट स्कैम के जरिये भी लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी होती है। इसमें लोगों को फेक प्रूफ दिखाकर लोगों से पैसे ठगे जाते हैं।

NPCI की एडवाइजरी

NPCI ने एडवाइजरी जारी करते हुए लोगों को कहा है कि वह ऑनलाइन शॉपिंग करते समय सतर्क रहें। एनपीसीआई की एडवाइजरी के अनुसार हमेशा किसी विश्वसनीय ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल से ही शॉपिंग करना चाहिए। इसके अलावा कभी भी किसी प्लेटफॉर्म में अपनी पर्सनल डिटेल्स ज्यादा शेयर न करें।

एनपीसीआई ने लोगों को कहा है कि वह कभी भी शॉपिंग के लिए पब्लिक नेटवर्क जैसे वाई-फाई आदि का इस्तेमाल न करें। अगर शॉपिंग करते समय उन्हें कुछ गलत लगता है तो वह इसके खिलाफ शिकायत करें।

फेस्टिव सीजन में चाहिए फ्लाइट्स पर बेस्ट डील, बस फॉलो करें ये टिप्स

परिवहन विशेष न्यूज

फेस्टिवल सीजन में कम कीमत पर फ्लाइट्स की टिकट पाना काफी मुश्किल रहता है। ऐसे में बेस्ट डील मिल जाए तो सोने पर सुहागा। फ्लाइट्स पर बेस्ट डील के लिए अब आपको ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। आप आसानी से कुछ स्मार्ट टिप्स को फॉलो करके हासिल कर सकते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में कुछ ऐसे ही टिप्स के बारे में बताएंगे।

नई दिल्ली। अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन (Festive Season 2024) घर जाने या किसी डेस्टिनेशन पर जाकर सेलीब्रेशन करने का प्लान कर रहे हैं तो अपनी पॉकेट पर ज्यादा बोझ डाले बिना यात्रा का ज्यादा से ज्यादा आनंद ले सकते हैं। जी हां हम आपको कुछ स्मार्ट तरीके बताए हैं जिसके जरिये आप फ्लाइट्स पर बेस्ट डील पा सकते हैं।

अपनाएं ये टिप्स

प्राइस अलर्ट सेट करें और जल्दी बुकिंग करायें

किराये में होने वाले बदलाव पर नजर रखने के लिए अपनी मनचाही उड़ानों के लिए प्राइस अलर्ट सेट करें। अपनी यात्रा की जल्दी प्लानिंग करके और टिकट बुक कराकर आप बेहतर डील हासिल कर सकते हैं। इसके अलावा छुट्टियों के करीब आने पर कीमतों में होने वाली वृद्धि से बच सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड रिवार्ड्स का लाभ उठाएं

फ्लाइट की बेस्ट डील पाने में आपका क्रेडिट कार्ड (Credit Card) एक मूल्यवान साथी है। अगर आपके पास वीजा नेटवर्क का कार्ड है तो आप इसमें कार्ड प्वाइंट या मील के साथ-साथ कई छूट या मुफ्त अपग्रेड जैसे कई फायदे का लाभ उठा सकते हैं। कार्ड प्वाइंट का इस्तेमाल करके आप भविष्य की यात्राओं पर पैसे बचाते हुए अपने यात्रा अनुभव को बेहतर बना सकते हैं।

नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्पों पर विचार करें

कार्ड नेटवर्क वीजा (Visa) के अनुसार फ्लाइट बुकिंग के लिए नो-कॉस्ट ईएमआई विकल्प के साथ अपने भुगतानों को बेहतर तरीके से मैनेज करें, ब्याज-मुक्त किस्तों में भुगतान करें और अपने बजट के अनुसार ही खर्च करें।

कनेक्टिंग उड़ानों का विकल्प चुनें

लंबी दूरी की यात्रा के लिए, अपने बजट के भीतर संभावित रूप से कम किराए के लिए सीधी उड़ानों के बजाय कनेक्टिंग उड़ानों का चयन करें। अपने यात्रा गंतव्य का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन करें और अपने शेड्यूल और बजट के मुताबिक कनेक्टिंग फ्लाइट्स चुनें।

हाई कन्वर्जन रेट्स से बचें

इंटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए, मल्टी-करेंसी फॉरेक्स कार्ड का इस्तेमाल करें। इस कार्ड में कम कन्वर्जन दर या क्रेडिट कार्ड की सुविधा मिलती है। इन छोटे-छोटे उपायों से आप काफी पैसे बचा सकते हैं और इससे आप बची हुई राशि को घूमने-फिरने और मौज-मस्ती पर खर्च कर सकते हैं।

छोटे कारोबारी हफ्ते में कैसे रहेगी बाजार की चाल, स्टॉक मार्केट के कौन-से फैक्टर्स रहेंगे अहम

पिछले हफ्ते शेयर बाजार के दोनों सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में हुए बिकवाली भरे कारोबार से निवेशकों को काफी नुकसान का सामना करन पड़ा। ऐसे में अब निवेशकों की नजर कल से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते पर है। इस हफ्ते दीवाली के मौके पर बाजार बंद रहेगा। आइए जानते हैं कि इस छोटे कारोबारी हफ्ते में निवेशकों के लिए कौन-से फैक्टर्स अहम रहेंगे।

नई दिल्ली। 28 अक्टूबर से नया कारोबारी हफ्ता शुरू हो जाएगा। इस हफ्ते बाजार केवल 4 दिन ही खुलेगा। दरअसल, 1 अक्टूबर 2024 (शुक्रवार) को दीवाली के मौके पर शेयर बाजार बंद रहेगा। ऐसे में इस छोटे कारोबारी हफ्ते में निवेशकों की नजर बाजार की चाल पर है।

मार्केट एनलिस्ट के अनुसार इस हफ्ते विदेशी निवेशकों के आउटफ्लो और ग्लोबल ट्रेंड्स बाजार के ट्रिगर्स रहेंगे। इसके अलावा कंपनियों द्वारा जारी तिमाही नतीजों का असर भी शेयर बाजार पर देखने को मिलेगा। इस हफ्ते मंथली डेरिवेटिव एक्सपायरी भी है। डेरिवेटिव एक्सपायरी वाले दिन बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

पिछले हफ्ते निराशाजनक दूसरी तिमाही के नतीजे और विदेशी निवेशकों द्वारा हो रहे आउटफ्लो के कारण शेयर बाजार में भारी गिरावट आई थी। मार्केट एक्सपर्ट का कहना है कि शेयर बाजार में अगले महीने तक उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिल सकता है। अगले महीने अमेरिकी चुनाव होने वाले हैं। निवेशकों की नजर अमेरिकी चुनाव के साथ उनके नतीजों पर बनी हुई है।

इस हफ्ते होगी मुहूर्त ट्रेडिंग

1 नवंबर को शेयर बाजार में मुहूर्त ट्रेडिंग (Muhrat Trading) होगी। वैसे तो दीवाली के मौके पर स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और एनएसई बंद रहेगा। इस दिन शाम को केवल एक घंटे के लिए शेयर बाजार खुलेगा।

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर के अनुसार हमें उम्मीद है कि स्टॉक मार्केट में शॉर्ट टर्म के लिए उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। बाजार की चाल एफआईआई की बिकवाली की तीव्रता में कमी और अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे पर निर्भर करेगा।

ये कंपनी जारी करेगा तिमाही नतीजा

इस हफ्ते अदाणी पावर, बीएचईएल, अदाणी एंटरप्राइजेज, अदाणी पोर्ट्स और डाबर इंडिया दूसरी तिमाही का नतीजा जारी करेगा।

पिछले हफ्ते कैसा था बाजार

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में भारी गिरावट वाला कारोबार रहा। सेंसेक्स और निफ्टी 2 फीसदी से ज्यादा गिर गए। अगर सेंसेक्स की बात करें तो शुक्रवार को यह 662.87 अंक या 0.83 फीसदी की गिरावट के साथ 79,402.29 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 218.60 अंक या 0.9 फीसदी की गिरावट के साथ 24,180.80 अंक पर आ गया।

रविवार के लिए जारी हो गए पेट्रोल डीज़ल प्राइस, गुरुग्राम से सस्ता मिल रहा राजधानी में फ्यूल

परिवहन विशेष न्यूज

तेल कंपनियों ने हर दिन की तरह 27 अक्टूबर 2024 (रविवार) के लिए पेट्रोल-डीजल के दाम जारी कर दिये हैं। अगर आप भी आज घूमने या फिर दूसरे शहर जाने का प्लान बना रहे हैं तो आपको एक बार लेटेस्ट रेट चेक कर लेना चाहिए। आप मैसेज के जरिये भी लेटेस्ट रेट चेक कर सकते हैं। आइए इस आर्टिकल में आज के लेटेस्ट रेट जानते हैं।

नई दिल्ली। देश की मुख्य ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोजाना पेट्रोल-डीजल के दाम जारी करती है। ऐसे में गाड़ीचालक को सलाह दी जाती है कि वह लेटेस्ट रेट चेक करने के बाद ही टंकी फुल करवाएं। अगर आप भी छुट्टी वाले दिन किसी दूसरे शहर या फिर घूमने के लिए जाने वाले हैं तो आपको एक बार सभी शहरों के लेटेस्ट रेट चेक कर लेना चाहिए।

इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक, अलग-अलग शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम (Petrol-Diesel Price 27 October 2024)

महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है।
- मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है।
- कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।
- चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम

नोएडा: पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर

गुरुग्राम: पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर

बेंगलुरु: पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर

चंडीगढ़: पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर

हैदराबाद: पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर

जयपुर: पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर

पटना: पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर

क्यों चेक करना चाहिए लेटेस्ट रेट

अब ऐसे में सवाल आता है कि गाड़ीचालक को लेटेस्ट रेट क्यों चेक करना चाहिए। इसका कारण है कि सभी शहरों में पेट्रोल-डीजल के दाम अलग होते हैं। ऐसे में अगर दूसरे शहर जा रहे हैं तो एक बार जान लेना चाहिए कि किस शहर में सस्ता फ्यूल मिल रहा है। उदाहरण के तौर पर अगर आप दिल्ली में रहते हैं और जॉब करने के लिए गुरुग्राम या नोएडा जाते हैं तो बता दें कि इन दोनों शहर की तुलना में दिल्ली में पेट्रोल-डीजल के भाव कम हैं।

सभी शहरों में क्यों अलग हैं कीमत

वर्तमान में पेट्रोल-डीजल जीएसटी के दायरे में नहीं आता है। इस पर राज्य सरकार वैट ( ) लगाती है, जिसकी दर हर राज्य में अलग होती है। यही कारण है कि सभी शहरों चाहे वो मेट्रोसिटी हो या फिर अन्य शहर फ्यूल प्रइस अलग होते हैं।

छोटे-छोटे निवेश से बनेगा बड़ा फंड, इस दीवाली निवेश के लिए काम आएगी ये टिप्स

परिवहन विशेष न्यूज

अगर आप हर दीवाली की तरह इस दीवाली भी सोना-चांदी या बर्तन खरदीने वाले हैं तो आप यह दीवाली थोड़ा हटकर सेलीब्रेट कर सकते है। इस दीवाली आप निवेश की परंपरा शुरू कर सकते हैं। निवेश की बात आते ही मन में कई सवाल आते हैं कि निवेश कहां से शुरू करें और कितने समय के लिए निवेश करें। इस आर्टिकल में इन सवालों का जवाब जानते हैं।

नई दिल्ली। दीवाली (Diwali 2024) के इस त्योहार में जहां सोना-चांदी, बर्तन, घर आदि की खरीदगारी करने की परंपरा है। अगर आपने अभी तक निवेश करना शुरू नहीं किया है तो इस दीवाली से आप यह आदत अपना सकते हैं। आप सोना-चांदी की खरीदारी के साथ निवेश की परंपरा शुरू कर सकते हैं। एफडी, (Fixed Deposit-FD) म्यूचुअल फंड (Mutual Fund) के अलावा आप स्टॉक में भी निवेश कर सकते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में बताएंगे कि आप कैसे निवेश की रणनीति बना सकते हैं।

कब से शुरू करें निवेश

निवेश की आदत अपनाने के साथ ही मन में सवाल आता है कि हमें निवेश करना कब से शुरू करना चाहिए। वैसे तो निवेश का सबसे अच्छा समय 20 साल पहले था, पर अभी भी देरी नहीं हुई है। अगर आप निवेश करना चाह रहें हैं तो अभी का समय भी काफी सही है।

आप जितनी जल्दी निवेश करना शुरू करेंगे उतना ही आपको बेहतर रिटर्न मिलेगा। निवेश करके आप अपने सपने जैसे कार लेना, घर बनाना आदि को पूरा कर सकते हैं।

कितने समय तक करना चाहिए निवेश

हम निवेश तो करना शुरू करते हैं पर हमें समझ नहीं आता है कि हमें कितने समय तक निवेश करना चाहिए। इस सवाल का जवाब है लाइफटाइम। दरअसल, आप जितने लंबे समय तक निवेश करेंगे उतना ज्यादा लाभ होगा। अगर आप लंबे समय तक निवेश नहीं करते हैं तो आपको कम से कम पांच साल तक निवेश करना चाहिए। स्टॉक मार्केट में आपको रिटर्न बाजार की चाल पर मिलता है।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहता है। ऐसे में स्टॉक में निवेश करने वाले निवेशक को कभी भी बाजार की गिरावट से पैनिक नहीं होना चाहिए। मार्केट में निवेश करते समय हमेशा धैर्य रखना चाहिए।

कैसे बनाएं निवेश की रणनीति

हम जैसे घर बनाने से पहले उसका ब्लूप्रिंट बनाते हैं। ठीक इसी प्रकार, निवेश से पहले हमें इसकी भी रणनीति बनाना चाहिए। अगर आप पहली बार निवेश कर रहे हैं तो आपको हमेशा निवेश के लिए एक फिक्स्ड अमाउंट अलग रखना चाहिए। हालांकि, आपको कभी भी अपनी पूरी सेविंग इन्वेस्ट नहीं करना चाहिए। हमेशा थोड़ा सा पैसे इमरजेंसी फंड (Emergency Fund) के लिए बचाएं।

इसके अलावा आपको शेयर बाजार में निवेश से पहले उससे जुड़ी एजुकेशन लेनी चाहिए। अगर बिना सोचे-समझे निवेश करते हैं तो आपको भविष्य में घाटे का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में कहीं भी निवेश से पहले आपको रिटर्न के साथ जोखिम का भी आंकलन कर लेना चाहिए।

अगर आप निवेश की प्लानिंग कर रहे हैं तो आपको एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए कि आप जिस सेक्टर या फिर एसेट में निवेश कर रहे हैं उसने पिछले कुछ सालों में कितना रिटर्न दिया है।

SIP से करें शुरुआत

अगर आप डायरेक्ट शेयर बाजार में निवेश नहीं करना चाहते हैं तो आप म्युचुअल फंड में एसआईपी के जरिये भी शुरुआत कर सकते हैं। आप हर महीने 500 रुपये निवेश कर सकते हैं। इसका मतलब है कि साल में आप 6000 रुपये का निवेश कर सकते हैं। वर्तमान में एसआईपी पर 12 फीसदी तक का अधिकतम रिटर्न मिलता है।

कैसे बनाएं अपना पोर्टफोलियो

अगर आप पहली बार निवेश करते हैं तो आपको पोर्टफोलियो में डाइवर्सिफिकेशन लाना चाहिए। इसके अलावा आपको एसेट पर भी फोकस करना चाहिए। अपने पोर्टफोलियो में आपको कई सिक्योर ऑप्शन जैसे- म्यूचुअल फंड्स, ब्लूचिप स्टॉक्स, गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए 100 माइनस थंब रूल फॉलो करना चाहिए। थंब रूल के हिसाब से निवेश राशि में से आयु को घटाकर जो परिणाम आएगा उतना फीसदी हिस्सा इक्विटी में निवेश करना चाहिए।

दीवाली के बाद इन सेक्टर्स में आ सकती है तेजी

शेयर बाजार पर फेस्टिव सीजन का भी काफी ज्यादा असर पड़ता है। ऐसे में उम्मीद जताई जा रही है कि दीवाली के बाद कई सेक्टर्स अच्छा परफॉर्मेंस कर सकते हैं। मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार दीवाली के बाद ऑटो और कैपिटल गुड्स सेक्टर का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। वहीं,

सरकार ने पेंशनर्स को दी सौगात, इस उम्र सीमा के बाद मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

हाल ही में लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर के अनुसार अब 80 साल से ज्यादा उम्र के पेंशनर्स को अनुकंपा भत्ता या अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। मंत्रालय ने पेंशन वितरण में आसानी लाने के लिए नए दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। आइए इस आर्टिकल में विस्तार से जानते हैं।

नई दिल्ली। सरकारी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन (Pension) का लाभ मिलता है। सरकार ने केंद्र कर्मचारियों को दीवाली से पहले सौगात दी है। जी हां, सरकार के अधिसूचना के अनुसार 80 साल से ज्यादा आयु के पेंशनर्स को अब अनुकंपा भत्ता मिलेगा। इससे संबंधित सर्कुलर लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने जारी किया है।

मिलेगी अतिरिक्त पेंशन

मंत्रालय द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार 80 से ज्यादा उम्र वाले पेंशनर्स को सरकार की तरफ से अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिलेगा। इसके लिए सरकार ने नए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इस नए दिशा-निर्देशों के जरिये सरकार ने अतिरिक्त पेंशन देने के प्रोसेस को काफी आसान कर दिया है ताकि पेंशन का वितरण आसानी के साथ जल्दी भी हो।

सीसीएस (पेंशन) नियम 2021 के नियम 44 के उप नियम 6 के प्रावधानों के तहत पेंशनर्स को पेंशन के साथ अतिरिक्त पेंशन या फिर अनुकंपा भत्ता का लाभ दिया जाएगा। नियमों के अनुसार 80 से 85 उम्र के पेंशनर्स मूल पेंशन के 20 फीसदी के लिए पात्र हैं तो वहीं 85 से 90 वर्ष की आयु वाले पेंशनर्स को 30 फीसदी हिस्सा मिलेगा। इसी तरह 90 से 95 वर्ष के पेंशनर्स को 40 फीसदी और 95 से 100 उम्र के पेंशनर्स को 50 फीसदी हिस्सा मिलेगा। 100 से ज्यादा उम्र वाले सुपर सीनियर पेंशनर को मूल पेंशन का 100 फीसदी हिस्सा अनुकंपा भत्ता के तौर पर मिलेगा।

इसे ऐसे समझिए कि अगर किसी पेंशनर की आयु 81 साल की है और उसे 5,000 रुपये पेंशन मिल रहा है तो उसे अतिरिक्त पेंशन के रूप में 1,000 रुपये मिलेंगे। इसी तरह 85 से 90 वर्ष की आयु के पेंशनर को 1,500 रुपये अनुकंपा भत्ता के रूप में मिलेगा।

कब से मिलेगा अतिरिक्त पेंशन

मंत्रालय के अधिसूचना के अनुसार जब पेंशनर की आयु सीमा तक पहुंच जाएगी तो उस महीने के पहले दिन से ही अतिरिक्त पेंशन या अनुकंपा भत्ता प्रभावी हो जाएगा। सरकार ने अतिरिक्त पेंशन देने का फैसला इसलिए लिया है ताकि पेंशनर्स को जीवन-यापन में कोई समस्या न आए और वह सही तरह से इसका प्रबंधन करें।

सभी पेंशनर्स को समय पर अतिरिक्त पेंशन का लाभ मिले इसके लिए मंत्रालय ने पेंशन वितरण में शामिल डिपार्टमेंट और बैंक को सूचना प्रसारित करने का निर्देश दिया है।

महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव से पहले EVM की अग्नि परीक्षा, आरोपों से उठेगा पर्दा ! EC जारी करेगा तथ्यात्मक रिपोर्ट

परिवहन विशेष न्यूज

झारखंड में दो चरणों में 13 और 20 नवंबर को मतदान है जबकि महाराष्ट्र में 20 नवंबर को एक चरण में ही मतदान है। अपनी 42 साल की यात्रा में ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) पर वैसे तो अब तक गड़बड़ियों से जुड़े अनगिनत आरोप लग चुके हैं। यह बात अलग है अब तक इन आरोपों से वह बेदाग निकली है।

नई दिल्ली। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड के विधानसभा चुनाव में ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) पर किसी तरह के नए आरोप न लगे इसे लेकर निर्वाचन आयोग जहां सतर्क है, वहीं दोनों राज्यों के चुनाव से पहले ईवीएम पर हरियाणा चुनाव के दौरान लगाए गए आरोपों पर से भी परदा उठाने की तैयारी है। इसे लेकर जांच लगभग पूरी हो गई है।

ईवीएम पर सख्त चुनाव आयोग

माना जा रहा है कि इसी सप्ताह के भीतर आयोग ईवीएम पर लगे आरोपों को लेकर अपना तथ्यात्मक जवाब भी दे सकता है। हालांकि, अब तक ईवीएम से जुड़े आरोपों पर आयोग उतना सक्रिय नहीं दिखता था, लेकिन पिछले कुछ चुनावों से वह ईवीएम व खुद पर लगने वाले आरोपों या फिर दुष्प्रचार के खिलाफ सख्त और सक्रिय है।

यही वजह है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेस ने जैसे ही 20 निर्वाचन क्षेत्र की ईवीएम पर उनकी बैटरी इस्तेमाल को लेकर जैसे ही सवाल उठाए, आयोग ने तुरंत ही न सिर्फ उसका जवाब दिया बल्कि इसकी विस्तृत जांच कराने के निर्देश भी दिए।

मिलेगा आरोपों का जवाब

सूत्रों के मुताबिक, फिलहाल यह जांच पूरी हो गई है। इस जांच में विशेषज्ञों की भी मदद ली गई है ताकि तकनीकी रूप से भी इन आरोपों का जवाब दिया जा सके। आयोग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, ईवीएम पर लगाए गए आरोपों का न सिर्फ कांग्रेस पार्टी को सीधा जवाब दिया जाएगा बल्कि इसे आयोग अपने अधिकतर पूछे जाने वाले पश्नों की सूची में भी शामिल करेगा।

बैटरी के इस्तेमाल के आधार पर आरोप

ताकि ईवीएम पर उठाए गए कांग्रेस पार्टी के आरोपों से जिनके मन में भी शंका पैदा हुई हो वह भी उन जवाब से अपनी शंकाओं को दूर कर लें। आयोग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान ईवीएम पर जिस तरह से बैटरी के इस्तेमाल के आधार पर आरोप लगाए यह बिल्कुल नया आरोप था। आयोग की मानें तो इस ट्रेंड पर आने वाले चुनाव में भी और आरोप लग सकते है। फिलहाल वह सतर्क है।

यह लगाए थे आरोप

कांग्रेस पार्टी ने हरियाणा विधानसभा चुनाव में ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। यह आरोप ईवीएम की बैटरी के इस्तेमाल के आधार पर लगाया था, जो मतदान के बाद भी 99 प्रतिशत चार्ज बता रही थी। कांग्रेस पार्टी का कहना था कि इस्तेमाल के बाद ईवीएम की बैटरी कैसे 99 प्रतिशत रह सकती है। पार्टी ने 20 निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसी स्थिति मिलने की शिकायत की थी।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: कांग्रेस ने 14 प्रत्याशियों का किया एलान, सचिन की जगह अशोक जाधव को टिकट

कांग्रेस ने रविवार की रात 14 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इससे पहले शनिवार को पार्टी ने 23 प्रत्याशियों की सूची जारी की थी। अंधेरी पश्चिम से उम्मीदवारी सचिन सावंत की जगह अशोक जाधव को टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान है। 23 नवंबर को मतगणना होगी।

मुंबई। कांग्रेस ने रविवार की रात 14 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इससे पहले शनिवार को पार्टी ने 23 प्रत्याशियों की सूची जारी की थी। अंधेरी पश्चिम से उम्मीदवारी सचिन सावंत की जगह अशोक जाधव को टिकट दिया गया है। महाराष्ट्र विधानसभा की कुल 288 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान है। 23 नवंबर को मतगणना होगी। कांग्रेस शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) के साथ चुनाव मैदान में हैं।

एक दिन में 50 से ज्यादा विमानों को बम से उड़ाने की धमकी, 2 के बदले रूट; जांच एजेंसियां अलर्ट

भारतीय विमानन कंपनियों की तरफ से संचालित कम-से-कम 50 विमानों को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। उनमें से दो का मार्ग बदल दिया गया। 14 दिनों में 380 से अधिक उड़ानों को इस तरह की झूठी धमकियां मिली हैं। इसके चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। ज्यादातर धमकियां इंटरनेट मीडिया के जरिये दी गईं।

नई दिल्ली। भारतीय विमानन कंपनियों की तरफ से संचालित कम-से-कम 50 विमानों को रविवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली। उनमें से दो का मार्ग बदल दिया गया। 14 दिनों में 380 से अधिक उड़ानों को इस तरह की झूठी धमकियां मिली हैं। इसके चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानें प्रभावित हो रही हैं। ज्यादातर धमकियां इंटरनेट मीडिया के जरिये दी गईं। अकासा एयर ने कहा कि उसकी 15 उड़ानों को सुरक्षा अलर्ट मिला और गहन निरीक्षण के बाद सभी विमानों को परिचालन के उपयुक्त पाया गया।

इंडिगो की 18 और विस्तारा की 17 उड़ानों को धमकी मिली। एक अधिकारी ने बताया कि धमकी के बाद इंडिगो की कम-से-कम दो उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। पुणे से जोधपुर की उड़ान को अहमदाबाद और कोझिकोड से दम्मम (सऊदी अरब) की उड़ान को मुंबई की ओर मोड़ दिया गया।

10 दिनों में चौथी बार मिली बम से उड़ाने की धमकी

पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है, जब जोधपुर हवाई अड्डे पर लैंड करने वाली फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी मिली। फ्लाइट की अहमदाबाद में लैंडिंग कराई गई और सुरक्षा जांच के बाद धमकी फर्जी निकली।

इस बीच, नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने विशाखापत्तनम में कहा कि केंद्र सरकार बम की झूठी धमकियां देने वाले अपराधियों पर प्रतिबंध लगाने के लिए कदम उठा रही है। जो लोग इस तरह की गतिविधियों में शामिल हैं, उन्हें कड़ी सजा दी जाएगी और जुर्माना लगाया जाएगा।

सरकार उड़ान भरने के लिए लगा रही रोक

सरकार ऐसे लोगों को उड़ान भरने से रोकने के लिए भी कदम उठा रही है। विशाखापत्तनम और विजयवाड़ा के बीच दो उड़ानों का उद्घाटन करने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए नायडू ने कहा कि इन फर्जी धमकियों को रोकने के लिए सरकार अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों, कानून प्रवर्तन शाखाओं और खुफिया ब्यूरो से सहायता ले रही है। इसके अलावा सरकार दो नागरिक उड्डयन कानूनों में संशोधन करने पर भी विचार कर रही है।

चिरियाल में हनुमान जी के मंदिर में नवग्रह व गणेश जी की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम सम्पन्न

परिवहन विशेष न्यूज

कीसरा मंडल चिरियाल में नवनिर्मित हनुमान मंदिर, गणेश प्रतिमा, नवग्रह प्रतिमा भव्य प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मल्काजीगिरी के सांसद ईटला राजेन्द्र, नगाराम के चेयरमैन चंद्रारा रेड्डी, तिरमल रेड्डी, बी श्रीनिवास, बालराज यादव, श्री निवास रेड्डी, नागपुसमसेट, मधु यादव, अशोक यादव, नारायण रेड्डी, राम रेड्डी, इस अवसर राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा माह प्रसादी का कार्यक्रम रखा गया है राजस्थानी मित्र मंडल जोगाराम कुमावत, जितु जाट, दिलीप सीरवी, कैलाश प्रजापत, राकेश प्रजापत, रमेश प्रजापत लक्ष्मण सीरवी, रुपाराम सीरवी, मांगीलाल सीरवी, दुर्गाराम सीरवी, किशोर कुमावत, पंकज कुमावत, मदनलाल सीरवी, ओमप्रकाश सीरवी, नरेश माली, जगदीश सीरवी, जगदीश सोनी, वेनाराम सीरवी, विनोद माली राजूराम सीरवी, दिनेश सीरवी, राकेश देवासी, राकेश सीरवी धन्नाराम सुथार, बलराम जाट, श्री आईजी गौशाला अध्यक्ष मंगलाराम पंवार व समस्त राजस्थानी मित्र मंडल उपस्थित रहे।

भाजपा साशन मे देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति है : समाजबादी पार्टी ओड़शिा

मनोरंजन सासमल, स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : समाजबादी पार्टी ओड़शिा का प्रबक्ता तथा प्रदेश मीडिआ प्रभारी प्रदीप मिश्रा ने एक प्रेस बिज्ञप्ति से कहा है कि देश मे बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई से जनता त्रस्त है 1 सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा संविधान की भावना और भारत की आत्मा पर हमले किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी, सरदार पटेल, डॉ० भीमराव अम्बेडकर की विरासत पर जबरन कब्जा करने के प्रयास हो रहे हैं। सरकार के संरक्षण में नफरत का जहर फैलाया जा रहा है। लोकतंत्र के स्तम्भों को कमजोर किया जा रहा है। लोकतांत्रिक प्रकिया को अप्रभावी बनाया जा रहा है। निरंकुशता जनतंत्र का गला घोंट रही है। फासीवाद की राष्ट्र पर नियंत्रण करने की कोशिशें चल रही है।

विश्व असमानता रिपोर्ट के अनुसार भारत के सबसे अमीर चंद लोग देश की कुल कमाई का 22 प्रतिशत हिस्सा अपने पास ले जा रहे हैं जबकि नीचे के 50 प्रतिशत लोगों को सिर्फ 13 प्रतिशत मिल पाता है। भारत की कुल आमदनी में शीर्ष 10 भारतीय परिवारों की हिस्सेदारी 90 प्रतिशत है। भारत में ऐसे बहुत से लोग है जो एक दिन में 150 रूपए भी नहीं कमा पाते हैं। ऐसे लोगों की संख्या भारत में 13 करोड़ के ऊपर है।

भारत का विदेशी कर्ज 8.2 प्रतिशत से बढ़कर 620.7 अरब डालर तक पहुंच गया है। हमारा विदेशी मुद्रा भण्डार, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में देश की साख होता है, वह तीन अरब डालर क्यों घट गया है? भारत की निर्यात दर लगभग शून्य रही है।

यह बात तो अब छुपा नहा है कि

भाजपा सरकार की प्राथमिकता में कारपारट दुनिया ह। आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी से त्रस्त है। दूसरी तरफ उद्योगपतियों को तरह-तरह से छूट दी जाती है। कैसी व्यवस्था है कि बैंक से कर्ज लेकर पैसे कारपोरेट डुबोए और कारपोरेट टैक्स की छूट भी कारपोरेट ही ले। ग्लोबल रिचलिस्ट के अनुसार भारत में एक हजार करोड़ से ऊपर के अमीर उद्योगपतियों की संख्या 1,103 है। 1149 नये अरबपति बन गए हैं। 2017 के बाद से देश के बड़े उद्योगपतियों के 10 लाख करोड़ रूपये के कर्ज एनपीए हो चुके है या डूब गए हैं। दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी की दौलत में 116 फीसद बढ़ोत्तरी हुई है। उसमें इसी वर्ष 60 अरब डालर का इजाफा हुआ है। उन पर विभिन्न बैंकों का इससे लगभग आधे का कर्ज भी है। पिछले 7 वर्षों में 11 लाख करोड़ का कर्ज उद्योगपतियों का माफ कर दिया गया है।

उदारीकरण, निजीकरण, भूमंडलीयकरण के इस दौर में अनेक पूंजीवादी देशों में भी नागरिकों की शिक्षा और चिकित्सा, सरकारों की जिम्मेदारी बनी हुई है। लेकिन अपने देश में शिक्षा और स्वास्थ्य बाजार में मनमाने दामों पर बिकने वाली सुविधा बनती जा रही है। सरकारी शिक्षण और चिकित्सा संस्थानों को निजी उद्यमों को दिया जा रहा है। या बद इंतजामी से बर्बाद किया जा रहा है। इसे विशिष्ट जनों के लिए सीमित किया जा रहा है। अशिक्षा और बीमारी को मिटाने की जगह इसे बढ़ाया जा रहा है। निजी शिक्षा संस्थाओं में बहुत ज्यादा फीस वसूली जा रही है और निजी अस्पतालों में जबरन लूट की छूट मिली हुई है। समाजवादी पार्टी की सरकार में 'रोटी कपड़ा सस्ती हो, दवा पढ़ाई मुफ्ती हो' के नारे को साकार किया गया था। जबकि भाजपा सरकार में सब कुछ महंगा हो गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य पर कुल सरकारी बजट का 20 प्रतिशत का प्रावधान होना चाहिए।

पूरे देश में हिंसा की बढ़ती प्रवृत्ति चिंता का विषय है। सरकार असहमति की हर आवाज को दबाने पर आमादा है। कोई भी सरकार से अहसमति जताता है और सवाल करता है तो सरकार ईडी, सीबीआई, इन्कम टैक्स छापों द्वारा दमनात्मक कार्यवाही करती है। संवैधानिक, नागरिक अधिकारों पर अतिक्रमण हो रहा है। भारत की संघीय संरचना को ध्वस्त करने की प्रक्रिया चल रही है। देश में अघोषित आपातकाल जैसी स्थिति है। यह स्थिति वन लीडर, वन पार्टी की ओर आगे बढ़ने का खतरनाक संकेतक है।

आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जाना शुभ है लेकिन उसके सहारे यह नैरेटिव बढ़ाया जा रहा है कि भारत के इतिहास को सन् 2014 से शुरू करने का प्रयास हो रहा है। बड़े बलिदानों के बाद मिली आजादी के मूल्यों एवं संकल्पों को भी भुलाने की कुचेष्टा हो रही है। हमें इससे सावधान और जागरूक रहना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023